केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

योग्यताएँ कर्म से पैदा होती हैं, जन्म से हर व्यक्ति शून्य होता है याद रखना, विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं

वर्ष : 16 अंक : 275 | उज्जैन, बुधवार 18 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

24 घंटे में पार्सल डिलीवरी की गारंटी, डाक विभाग ने शुरू की 3 हाई-स्पीड सर्विस

नई दिल्ली/ जीएनएस। डाक विभाग ने मंगलवार को तीन प्रीमियम सेवाएं शुरू कीं। इनमें तत्काल और समयबद्ध खेपों के लिए 24 और 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी दी गई है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियां ने 24 स्पीड पोस्ट, 24 स्पीड पोस्ट पार्सल और 48 स्पीड पोस्ट का शुभारंभ किया। शुरुआत में, ये सेवाएं छह शहरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की जा रही हैं। विभाग निर्धारित समयसीमा के भीतर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रसंस्करण और प्राथमिकता आधारित हवाई परिवहन का उपयोग करेगा। सिंधियां ने कहा कि यह शुभारंभ इंडिया पोस्ट के लिए एक नए सिरे से शुरुआत का प्रतीक है और उन्होंने इसमें निहित विशाल अवसर की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि ई-कामर्स बाजार 2030 तक 30 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने के लिए तैयार है, जो वर्तमान में 11 लाख करोड़ रुपये से लगभग तीन गुना अधिक है। नई सेवाओं में ओटीपी-सत्यापित डिलीवरी और व्यापक एंड-टू-एंड ट्रैकिंग के साथ-साथ रीयल-टाइम एसएमएस अलर्ट की सुविधा होगी।

बंगाल का रणः बदली डेमोग्राफी-बढ़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा...

कोलकाता/ जीएनएस। पंचायत, नगर निकाय से लेकर विधानसभा व लोकसभा तक, बंगाल में होने वाले प्रत्येक चुनाव खून-खराबे के लिए कुख्यात हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता इसकी बलि चढ़ चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में राज्य की बदली डेमोग्राफी, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस व मुख्य विपक्षी भाजपा के बीच बढ़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा व सियासी धुव्रीकरण ने यहां के चुनावी माहौल को अत्यधिक संवेदनशील बना दिया है। राजनीतिक दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं की हत्या व अपहरण, पोलिंग एजेंटों की पिटाई, बमबाजी, गोलीबारी, बूथों में तोडफोड़, वोटों की लूट, प्रत्याशियों व उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां, ये सब बंगाल के चुनावों में आम बातें हो चुकी हैं। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच बंगाल में अबाध व शांतिपूर्ण तरीके से निष्पक्ष चुनाव कराना आयोग व प्रशासन के लिए सबसे कठिन चुनौती हैं। मालदा व मुर्शिदाबाद जिले तो इतने संवेदनशील हैं कि वहां के आम लोग चुनाव आते ही सिहर उठते हैं। हर बार कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करके भी चुनावी हिंसा पर काबू नहीं पाया जा सका है। इस बार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले राज्य के विभिन्न जिलों में जिस तरह बड़े परिमाण में हथियारों व बमों की बरामदगी हुई है, वह और चिंता पैदा कर रही है। बांग्ला में एक मशहूर कहावत है- जोर जार, मुलुक तार। इसका अर्थ है- जिसके पास ताकत, देश उसी का। बंगाल की राजनीति में यह अंतिम सत्य बन चुका है। सत्ता पर आसीन होने के बाद हरेक पार्टी इसी का अनुसरण करती आई है। कांग्रेस के जमाने से शुरू हुआ यह सिलसिला वाममोर्चा के 34 वर्षों के शासन से लेकर तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों की सत्ता तक बदस्तूर जारी है। विश्लेषकों का कहना है कि बंगाल में एक पार्टी का लंबे समय तक सत्ता में बने रहना राजनीतिक हिंसा बढने का प्रमुख कारण रहा है। सत्ता की अभ्यस्त हो जाने के बाद पार्टी इसपर काबिज रहने को कोई कसर नहीं छोडना चाहती। दूसरी तरफ विरोधी दल भी पूरा जोर लगाते हैं। यही जबर्दस्त टकराव को जन्म देती है, जो राजनीतिक हिंसा का रूप धारण करती हैं।

उद्योग, शिक्षा, सड़क, आधुनिक हवाई सेवाएं, मैट्रो रेल के विस्तार से प्रदेश और उज्जैन विकास की नई उँचाईयों को छू रहा है - मुख्यमंत्री

राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ 2028 के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि उज्जैन की पावन धरा पर, जहाँ बाबा महाकाल की कृपा कण-कण में व्याप्त है। आज विकास के एक नए अध्याय के सूत्रपात का साक्षी बनने पर हर्ष और गर्व के भावों को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। यह आयोजन उज्जैन के गौरवशाली भविष्य तथा सांस्कृतिक और सामाजिक अभ्युदय का शंखनाद है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के माध्यम से समर्थ, समृद्ध और सशक्त विकसित भारत के दिव्य संकल्प की सिद्धि का प्रतीक भी है। इन विशाल निर्माण कार्यों और उत्कृष्ट नगरीय सुविधाओं से धार्मिक तीर्थाटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय व्यापार और अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।यह उद्बोधन राज्यपाल श्री पटेल ने शिप्रा विहार में गीता भवन सहित लगभग 663 करोड़ के कार्यों के भूमिपूजन में दिया।

त्रिवेणी विहार में गीता भवन का निर्माण और प्रदेश के नगरीय निकायों में गीता भवन बनाने का निर्णय सराहनीय है। यह हमारी भावी पीढ़ी में सुसंस्कारों के बीजारोपण और ज्ञान-पुंज को सम्पूर्ण विश्व में आलोकित करने का दूरदर्शी कदम है। गीता भवन युवाओं, शोधार्थियों और नागरिकों को भारतीय ज्ञान-परंपरा, दर्शन और संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा,जो समाज में भारतीय सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक मूल्यों की मजबूती और विस्तार में सहयोगी होगा।उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन, कर्तव्यबोध और मानव कल्याण का सार्वकालिक मार्गदर्शक ग्रंथ है।÷भगवद् गीता का निष्काम कर्म, कर्तव्यनिष्ठ जीवन-दर्शन का ज्ञान नई पीढ़ी में नैतिकता, अनुशासन और सकारात्मक विचारों के आधार को मजबूत बनाएगा।

प्रदेश में गीता भवन भारतीय ज्ञान-परंपरा, सांस्कृतिक पुनर-जागरण और वैचारिक संवाद को नई दिशा देने में सहयोगी होंगे। अंत में कहूँगा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का नया दौर शुरू हो गया है, अब हम सबका लक्ष्य और संकल्प विकसित भारत है। आशा है कि उज्जैन नगर जल एवं बिजली संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता तथा अतिथि देवो भव की भावना के अनुरूप श्रद्धालुओं को उच्च गुणवत्ता की सुविधाएँ और सेवाएँ की उपलब्धता के द्वारा आदर्श आध्यात्मिक पर्यटन गंतव्य के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में नित्य नये विकास के कार्य किये जा रहे है। मध्यप्रदेश और उज्जैन भी नई अधोसरंचना विकास के कार्यों से अपनी एक नई पहचान बना रहा है। मध्यप्रदेश सुशासन से उद्योग, शिक्षा, सड़क, आधुनिक हवाई सेवाएं, मैट्रो रेल आदि के विस्तार से विकास की नई उँचाईयों को छू रहा है। राज्यपाल श्री पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में सिंहस्थ 2028 दृष्टिगत एक और नवीन गीता भवन निर्माण सहित 663 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि के अलग-अलग विकास कार्यों का भूमिपूजन हो रहा है। चैत्र नवरात्रि, गुड़ी पड़वा हिन्दू नववर्ष के पावन पर्व के पूर्व जिले को नवीन सौगात मिल रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केन्द्रीय केबिनेट बैठक में 3 हजार 839 करोड़ रूपये की लागत से ह्न-75-2ष्ठ बदनावर- पेटलावद-थांदला खण्ड को फोरलेन करने की स्वीकृति केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ.. यादव ने कहा कि वर्तमान में सिंहस्थ 2028 महापर्व को ध्यान में रखते हुए 13 हजार करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्य चल रहे है। वर्ष 2026-27 में सिंहस्थ के लिए 3 हजार 60 करोड़ रूपये के कार्यों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। 364 करोड़ 37 लाख रूपये की लागत से मेला क्षेत्र के प्रमुख मार्गों के पुनर्निमाण के कार्य भी शुरू किये जा रहे है। उक्त कार्यों में शंकराचार्य चौराहे से भूखी माता, उजरखेड़ा हनुमान से बडनगर रोड, खाकचौक से वीर सावरकर चौराहा, गढ़कालिका से भर्तृहरि गुफा मार्ग, कार्तिक मेला ग्राउण्ड से नई खेड़ी मार्ग एम आर 22, एम आर 27 रोड मार्ग निर्माण जूना सोमवारिया से अंकपात आदि मार्गों का चौड़ीकरण कर फोरलेन और 6 लेन में परिवर्तित किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु सीधे घाटों तक सरलता से पहुंच सकेगें। साथ ही विक्रम नगर रेल्वे स्टेशन रेल्वे ओवर ब्रिज और नवीन गीता भवन की बड़ी सौगात उज्जैन वासियों को मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश भर में निरंतर विकास का क्रम जारी है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश में पिछले सवा साल में दुग्ध उत्पादन में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे किसानों को पांच से आठ रूपये लीटर तक का लाभ प्राप्त हुआ है और उनकी आय में वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय, पीएम एक्सीलेंस महाविद्यालय प्रारंभ किये गये है। विद्यार्थियों को स्कूल आवागमन में सुविधा देने के लिए 5 लाख सायकल उपलब्ध कराई गई है। साथ ही विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश, अध्ययन के लिए किताबें भी शासन द्वारा समय पर प्रदाय की जा रही है। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को स्कूटी, 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों को लेपटॉप प्रदान किये जा रहे है। आगामी शैक्षणिक सत्र में शासकीय विद्यालयों में कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक के बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए यशोदा माता योजना के अंतर्गत दूध का पैकेट उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद प्रदेश में सबसे पहला विश्वविद्यालय उज्जैन में प्रारंभ हुआ था जिसका नाम परिवर्तन कर गत वर्ष सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय किया गया। सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, न्याय प्रियता, वीरता , दानशीलता और अन्य गुण आज भी हम सब को गौरवान्वित करते है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक और नवीन गीता भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम में भगवान श्री कृष्ण के काल को स्मरण करता हूँ, जो आज से लगभग 5 हजार साल पहले सांदीपनि आश्रम में विद्या अध्ययन से प्रारंभ हुआ। यहां उन्होंने 14 विद्या, 64 कलाएं, 18 पुराण, 4 वेद का अध्ययन कर विराट व्यक्तित्व धारण कर मानवता की सेवा करने के लिए पुरूषोत्तम बनें और सम्पूर्ण विश्व को भागवत गीता का ज्ञान अर्जुन के माध्यम से प्रदान कर कर्मयोग की शिक्षा दी। भागवत गीता आज विश्व के सबसे अधिक पढ़े जाने वाले ग्रथों में शामिल है। प्रदेश के सभी जिलों और नगरीय निकायों में गीता भवन का निर्माण किया जाएगा। साथ ही आदर्श ग्रामों को वृन्दावन ग्रामों के रूप में विकसित किये जाएगें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्यपाल श्री पटेल के कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर स्थानीय विधायक होने के नाते आभार व्यक्त किया।

663 करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन किया- राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे नवीन गीता भवन, नगर विकास योजना कं. 05 व 06, आर.ओ.बी. एवं सिंहस्थ 2028 के लगभग 663 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

गीता भवन निर्माण- गीता भवन का निर्माण लागत राशि रू. 77.14 करोड़ से 1,00,000 वर्ग फीट में त्रिवेणी विहार योजना में सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। इस परियोजना अन्तर्गत गीता भवन परिसर में 12,700 वर्ग फीट का आडिटोरियम , 3,600 वर्ग फीट में ई-लाईबेरी का निर्माण किया जायेगा।

नगर विकास योजना- योजना ग्राम धतरावदा एवं लालपुर में 473.32 हेक्टयेर में विकसित की जाएगी। उक्त कार्य अन्तर्गत राशि रू. 160.39 करोड का भूमिपूजन कार्य जिसमें लगभग 35 कि.मी. के 24 मी. एवं 30 मी. के सीसी रोड अन्तर्गत सीवर लाईन, वॉटर लाईन, स्थाई अण्डर ग्राउण्ड विद्युतीकरण, स्ट्रीट लाईट आदि विकास कार्य किये जायेंगे।

विक्रम नगर रेल्वे ओवर ब्रिज- उक्त निर्माण कार्य राशि रू. 30.68 करोड की लागत से किया जा रहा है, जिसमें विक्रम उद्योगपुरी के पास एमआर 5 से नगर विकास योजना 03,04, 05 और 06 को जोडने के लिए किया जा रहा है। उक्त आरओबी के निर्माण से रेल्वे लाईन क्रॉसिंग से शहर से विभाजित हिस्से को जोडने का कार्य एवं सिंहस्थ के दौरान मक्सी एवं देवास से आने वाले यातायात को सुगमता प्रदान करेगा।

सिंहस्थ 2028 के विकास कार्य- सिंहस्थ 2028 के सुगम, भव्य एवं सुरक्षित आयोजन के लिए सिंहस्थ मेला क्षेत्र में मार्गो का चौडीकरण प्रस्तावित है जिसके अन्तर्गत सीसी रोड़, सीवर लाईन, वॉटर लाईन, अण्डर ग्राउण्ड विद्युतीकरण, स्ट्रीट लाईट, डिवाईडर एवं प्लांटेशन आदि विकास कार्य किये जाना है। शकरांचार्य चौराहा से दत्त अखाड़ा, भूखीमाता 30 मीटर चौड़ा मार्ग, उजड़खेड़ा हनुमान से उज्जैन बड़नगर मार्ग तक 4-लेन 24 मीटर सीसी रोड निर्माण लम्बाई 4.57 किमी जिसकी लागत 64.89 करोड़ है।

पश्चिम एशिया में शुरू हुए संघर्ष का भारत पर क्यों पड़ने लगा असर, क्यों खड़ा हो गया एलपीजी का संकट?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम एशिया संकट का असर भारत पर भी दिखने लगा है। सरकार भले ही दावा कर रही हो कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीन पर हालात कुछ और ही बयां कर रहे हैं। सबसे ज्यादा पैनिक एलपीजी सिलिंडर को लेकर है। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हैं और अब आंच घरों, फैक्ट्रियों, हॉस्टलों और रेस्टोरेंट तक पहुंच गई है।

इन सबकी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से शिपमेंट में आई रुकावट है, क्योंकि यहां से दुनिया की जरूरत का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। दरअसल भारत अपनी एलपीजी जरूरत का 60 फीसदी हिस्सा आयात करता है। इस आयात का भी 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज से गुजरता है।

दरअसल भारत की एलपीजी मांग उत्पादन के मुकाबले कहीं ज्यादा है। भारत ने कच्चे तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस के अलावा एलपीजी का भी आयात बढ़ाया है। जहां 2011-12 के मुकाबले 2024-25 में कच्चे तेल का आयात 40 फीसदी बढ़ा, वहीं इसी अवधि में ख्ह्त का आयात दोगुना हो गया।

वहीं LPG आयात 1998-99 में 1722 हजार मीट्रिक टन से बढ़कर 2024-25 में 20667 TMT हो गया, जो 27 वर्षों में लगभग 12 गुना की वृद्धि है। इसकी वजह ये है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत ने 29.7 मिलियन टन LPG की खपत की, जो 2025 में बढ़कर 31.3 मिलियन टन हो गया।

कालाबाजारी हो गई शुरू- घरों में बढ़ते इस्तेमाल और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के कारण एलपीजी देश के सबसे ज्यादा आयात-निर्भर ऊर्जा उत्पादों में से एक बन गई है।

झारखंड विश्वविद्यालय विधेयक 2026 पारितः राज्यपाल व मुख्यमंत्री संयुक्त रूप से पैनल से चुनेंगे कुलपति, राज्यपाल करेंगे नियुक्ति

रांची/ जीएनएस। कुछ बिंदुओं पर आपत्ति के बाद लोकभवन से वापस हुए गत वर्ष पारित झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2025 को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को वापस लिया गया। इसके बाद कुछ बिंदुओं को सुधारते हुए झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026 को सदन के पटल पर रखा गया।

विधेयक पर चर्चा हुई और चर्चा के बाद इसे सदन की स्वीकृति दे दी गई। अब यह विधेयक लोकभवन से स्वीकृति के लिए भेजी जाएगी। प्रभारी मंत्री सुदिव्य कुमार ने इस विधेयक को सदन के पटल पर रखते हुए कहा कि यह विधेयक कुशल व प्रभावी उच्च शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देगा।

इस विधेयक में कुलपति की नियुक्ति को लेकर भी प्रविधान किया गया है। इसमें राज्यपाल व मुख्यमंत्री संयुक्त रूप से पैनल से अनुशंसित व्यक्तियों में से किसी एक को कुलपति के रूप में चयनित कर सकेंगे।

इसके बाद राज्यपाल के माध्यम से कुलपति की नियुक्ति की जाएगी। अगर अनुशंसित व्यक्तियों में से किसी को भी चयनित नहीं करेंगे तो वह या तो उसी समिति से या नया पैनल मांग सकते हैं।

कुलपति की चयन प्रक्रिया निश्चित रूप से कुलपति पद की रिक्ति से न्यूनतम छह माह पूर्व आरंभ होनी चाहिए तथा कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया कुलपति पद की रिक्ति से न्यूनतम एक माह पूर्व निश्चित रूप से पूर्ण हो जानी चाहिए।

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने मोहम्मद दीपक मामले में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नैनीताल/ जीएनएस। हाई कोर्ट ने कोटद्वार के बहुचर्चित मोहम्मद दीपक मामले में सुनवाई करते हुए सरकार को इस मामले से संबंधित मुकदमों की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही मोहम्मद दीपक बताने वाले जिम संचालक दीपक कुमार से बैंक खाते में आ रही चंदा या डोनेशन का हिसाब किताब पेश करने को कहा है। मामले में अगली सुनवाई 19 मार्च को नियत की है।

याचिका पर हुई सुनवाई- मंगलवार को न्यायाधीश न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में दीपक की याचिका पर सुनवाई हुई। दीपक ने अपने पर दर्ज मुकदमे में गिरफ्तारी पर रोक लगाने, पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने को लेकर याचिका दायर की थी।

यह आरोप लगाए थे- याचिका के अनुसार 28 जनवरी को कमल प्रसाद नामक व्यक्ति की शिकायत पर दीपक व उसके सहयोगी विजय रावत पर मुकदमा दर्ज किया गया था। उन पर गाली-गलौज, धमकी देने व मोबाइल छीनने का आरोप लगाया गया था।

प्राथमिकी को रद करने की मांग- दीपक ने इस प्राथमिकी को रद करने को याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता का कहना था कि वीडियो होने के बाद भी पुलिस की ओर से अज्ञात पर केस दर्ज किया, जबकि दीपक को नामजद का प्रताड़ित किया गया।

रकम का ब्यौरा देने को कहा- सुनवाई के दौरान दीपक की ओर से बताया गया कि घटना वायरल होने के बाद उसे दयाभाव दिखाते हुए लोग उसके बैंक खाते में डोनेशन या चंदा भेज रहे हैं।

इस पर कोर्ट ने शपथपत्र दाखिल कर खाते में आई रकम का ब्यौरा देने को कहा है।

पीएम मोदी हैं राम और अश्विनी वैष्णव उनके हनुमान, भाजपा सांसद ने संसद में क्या कहा

नई दिल्ली/ जीएनएस। अरुणाचल प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी के सांसद तापिर गाव ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जादूगर बताया। मंगलवार को उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राम हैं तो वैष्णव उनके हनुमान हैं। लोकसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय संबंधी अनुदान की मांगों पर चर्चा में भाग लेते हुए अरुणाचल पूर्व संसदीय सीट से सदस्य ने यह बयान दिया। गाव ने कहा कि आज पूर्वोत्तर के हर राज्य में या तो रेलवे कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है या पहुंच रही है।

तापिर गाव ने मिजोरम में 48 रेलवे सुरंग और अनेक रेलवे पुल बनाए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि यह जादूगर का काम है। अश्विनी वैष्णव एक जादूगर हैं। पूर्वोत्तर की जनता की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैष्णव को धन्यवाद देते हुए तापिर गाव ने कहा, अरुणाचल प्रदेश में तो मेरे गृह नगर में, मेरे खेत में ही स्टेशन बना दिया। वर्ष के अंत में वह उद्घाटन करने जाएंगे। भाजपा सांसद ने कहा कि सही मायने में अष्टलक्ष्मी बना रहे हैं तो अश्विनी वैष्णव ही बना रहे हैं। मोदी जी राम हैं तो ये (अश्विनी) हनुमान हैं। जहां इशारा किया उस जगह को रेलवे से जोड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 प्रदेशों को अष्टलक्ष्मी नाम दिया है। तापिर गाव ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि आने वाले समय में दूसरे देशों के रेल मंत्रालय वैष्णव से पूछेंगे कि रेल सुरंग कैसे बनाई जाती हैं, मिजोरम में कुतुब मीनार से ऊंचा पुल बनाकर वहां रेल मार्ग उन्होंने कैसे पहुंचा दिया। उन्होंने कहा, यह रेल मंत्री की रचनात्मकता है कि हर रेलवे स्टेशन को शॉपिंग मॉल जैसा बना दिया।

अरुणाचल प्रदेश के ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री ओजिंग तासिंग ने बीते दिनों कहा, राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर रही है। साथ ही, जमीनी स्तर के प्रशासन को मजबूत करने के लिए जानकारी स्थानीय भाषाओं में डिजिटल रूप से प्रसारित करने पर काम जारी है। मंत्री ने कहा कि सरकार गांवों में डिजिटल स्क्रीन लगाने और पंचायत स्तर के प्रतिनिधियों को उन्हें संचालित करने का प्रशिक्षण देने की योजना बना रही है। साथ ही, जमीनी स्तर पर प्रशासनिक कामकाज की निगरानी के लिए व्यापक ऑनलाइन प्रणाली शुरू करने की भी योजना है।

जनसुनवाई सम्पन्नः कलेक्टर शिवम वर्मा ने नागरिकों की समस्याएँ संवेदनशीलता से सुनी और किया त्वरित निराकरण

नि:शुल्क उपचार से महिला को मिला नया जीवन, समस्या समाधान पर पूर्व प्राचार्य सहित अन्य आवेदकों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर मंगलवार की तरह इस मंगलवार को भी कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के सामने रखीं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने लोगों से संवाद कर कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया और अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर समय-सीमा में प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में एक भावनात्मक प्रकरण सामने आया। जिसमें अपनी बहन को नया जीवन मिलते देख परिजनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। मरीज़ की बहन दिव्या जायसवाल ने बताया कि उनकी बहन ज्योति जायसवाल के शरीर के अंगों ने अचानक काम करना बंद कर दिया था, जिससे उनकी स्थिति बेहद गंभीर होकर जीवन के अंतिम चरण तक पहुंच गई थी। ऐसे कठिन समय में वे जनसुनवाई में पहुंचीं, जहां उन्हें बहन के उपचार के लिए निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। समय पर मिले इस सहयोग से उनकी बहन का सफल उपचार संभव हो सका। इसी कृतज्ञता के भाव से वे परिजन मिठाई लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को मिठाई देकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसी दौरान एक अन्य प्रकरण में पेंशन प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान होने पर पूर्व प्राचार्य ने प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल की पूर्व प्राचार्य श्रीमती भारती पंवार ने बताया कि पेंशन संबंधी प्रक्रिया जटिल होने के कारण उन्हें समय पर पेंशन प्राप्त नहीं हो पा रही थी। इस समस्या के निराकरण हेतु वे जनसुनवाई में पहुंचीं, जहां कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल आवश्यक कार्यवाही कर उनकी समस्या का समाधान कराया। अब उनकी पेंशन नियमित रूप से समय पर प्राप्त हो रही है। इस सहयोग के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा को पुष्प गुच्छ एवं मिठाई देकर आभार प्रकट किया।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, पेंशन, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारियों और अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए आवेदन प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी एक अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी एवं अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी (GD), एसकेटी (SKT), टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बताया गया कि इस बार सेना भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। अग्निवीर पदों के लिए एक जुलाई 2005 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे युवा आवेदन कर सकेंगे, जबकि स्थाई पदों के लिए एक जुलाई 2004 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे अभ्यर्थी पंजीयन के पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित अंतिम तिथि से पहले अपना ऑनलाइन आवेदन करें। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय महू के दूरभाष क्रमांक 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदमः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की एक लाख से अधिक किशोरी बालिकाओं के सफल एचपीवी टीकाकरण पर स्वास्थ्य विभाग की टीम, जिला प्रशासन तथा सहयोगी संस्थाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 फरवरी 2026 को अजमेर, राजस्थान से इस विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया था। मध्यप्रदेश इस अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक बालिकाओं का टीकाकरण कर देश में सर्वाधिक एचपीवी टीकाकरण वाला राज्य बन गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मंडला, बालाघाट, डिंडोरी, राजगढ़ और खरगोन जिलों का इस उपलब्धि में विशेष योगदान रहा है। प्रदेश में अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर कलेक्टरों की अध्यक्षता में समन्वय स्थापित किया गया और स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायत विभाग सहित विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 वर्ष आयु की बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग बेटियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और शेष पात्र बालिकाओं का टीकाकरण भी शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना की तिथियों का निर्धारण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरीब, जरूरतमंद, निराश्रित परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए आयोजित किए जाने वाले मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के लिए तिथियों का निर्धारण किया गया है। इनमें अक्षय तृतीया 19 अप्रैल 2026, देवउठनी ग्यारस (तुलसी विवाह) 20 नवंबर 2026, बसंत पंचमी 11 फरवरी 2027 तथा एक अन्य तिथि स्थानीय मांग और कलेक्टर के निर्णय अनुसार निर्धारित की जा सकती है। वर्ष 2026-27 में पक्ष 44 हजार से अधिक विवाह करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पर राज्य सरकार 242 करोड़ से अधिक राशि व्यय करेगी। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाय योजना के प्रभावी व्यवस्थि और गरिमापूर्ण ढंग से आयोजन के लिए विभाग द्वारा सामूहिक विवाह समारोह में भाग लेने वाले जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 और अधिकतम संख्या 200 निर्धारित की गई है।

प्रदेश के 55 जिलों में इन अवसरों पर 800 जोड़े यानिकी 44 हजार जोड़ों का विवाह संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में प्रदेश में 51 हजार 899 मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना तथा 28 हजार 362 मुख्यमंत्री निकाह कराए गए हैं। इन हितग्राहियों से 321 करोड़ 41 लाख 58 हजार की सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कराया जा सकता है। योजना में 49 हजार रूपये की राशि कन्या के बैंक खाते में तथा 6 हजार रूपये की राशि आयोजन समिति को कुल 55 हजार रूपये प्रति विवाह खर्च किया जाता है।

जटिल मोतियाबिंद सर्जरी के पश्चात लेंस प्रत्यारोपण पर शोध के लिए डॉ. टीना अग्रवाल को मिला राष्ट्रीय सम्मान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई, महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज इंदौर की प्रोफेसर एवं नेत्र सर्जन डॉ. टीना अग्रवाल ने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इन्हें भारत के प्रतिष्ठित नेत्र विज्ञान जर्नल इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी में प्रकाशित उनके शोधपत्र के लिए बेस्ट ओरिजिनल आर्टिकल ड्रू कैटरैक्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. डी.के. शर्मा ने बताया कि यह सम्मान 12 से 15 मार्च 2026 के मध्य जयपुर में आयोजित अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। इस शोध कार्य में उनके साथ डॉ. महेश अग्रवाल, डॉ. साक्षी तिवारी तथा सांख्यिकी विशेषज्ञ श्री दुर्गेश शुक्ला सह-लेखक रहे, जिन्हें भी इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

यह शोध जटिल मोतियाबिंद सर्जरी के बाद उन मरीजों में लेंस प्रत्यारोपण की नई तकनीक पर

आधारित है, जिनमें ऑपरेशन के दौरान सामान्य रूप से कृत्रिम लेंस प्रत्यारोपण संभव नहीं हो पाता है।

मरीजों को मिलेगा बेहतर लाभ- प्रोफेसर डॉ. टीना अग्रवाल ने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से ऐसे मरीजों में, जिनमें पहली सर्जरी के समय लेंस प्रत्यारोपण नहीं हो पाया, बाद में भी सफलतापूर्वक लेंस प्रत्यारोपण किया जा सकता है। इससे मरीजों की दृष्टि को पुनः बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक अपेक्षाकृत कम खर्चीली है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।

सफल परिणाम और विशेषज्ञों की सराहना- डॉ. अग्रवाल द्वारा पिछले कुछ वर्षों में स्कूल ऑफ एक्सीलेंस फॉर आई में इस तकनीक से कई सफल ऑपरेशन किए गए हैं, जिनके परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रहे हैं। नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञों ने इस उपलब्धि को देश के लिए गर्व का विषय बताया है और कहा है कि इस शोध से जटिल मोतियाबिंद सर्जरी के बाद उपचार के नए विकल्प विकसित होंगे।

इस उपलब्धि पर अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. अरविंद घनघोरिया तथा अस्पताल अधीक्षक डॉ. डी.के. शर्मा ने डॉ. टीना अग्रवाल को बधाई देते हुए उनके कार्य की सराहना की है।

जीएसीसी में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित, 130 विद्यार्थियों व स्टाफ का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जीएसीसी) में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में उमंग स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल टीम द्वारा विद्यार्थियों और महाविद्यालय स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शताब्दी वर्ष में मालवा प्रांत के 100% गाँव-मोहल्लों और 90% घरों तक पहुंचा संघ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की वार्षिक बैठक हरियाणा के पानीपत के निकट समालखा में 13 से 15 मार्च तक संपन्न हुई। इस बैठक के पश्चात इंदौर में आयोजित प्रेस वार्ता में मालवा प्रांत के माननीय प्रांत संघचालक ने संघ के शताब्दी वर्ष में हुए कार्यों और विस्तार की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि शताब्दी वर्ष के दौरान संघ ने मालवा प्रांत के सभी 100 प्रतिशत गाँवों और मोहल्लों तक पहुंच बनाई, साथ ही लगभग 90 प्रतिशत घरों तक संपर्क स्थापित किया गया। गृह संपर्क अभियान के अंतर्गत प्रांत के 12,246 गांवों और सभी मोहल्लों में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर लगभग 32 लाख परिवारों से संवाद किया। इस अभियान में 82 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

संघ के कार्यविस्तार की जानकारी देते हुए बताया गया कि देशभर में वर्तमान में 88,949 शाखाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें विद्यार्थी और महाविद्यालयीन शाखाएं भी शामिल हैं। मालवा प्रांत में 5,049 शाखाएं संचालित हो रही हैं, जिनमें इस वर्ष 150 विद्यार्थी शाखाओं की वृद्धि हुई है। इसके अलावा प्रांत में 1,961 साप्ताहिक मिलन और सैकड़ों सेवा कार्य भी चल रहे हैं। प्रशिक्षण गतिविधियों के अंतर्गत देशभर में 40 हजार से अधिक स्वयंसेवकों ने प्राथमिक वर्गों में भाग लिया, जबकि मालवा प्रांत में 1,712 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संघ शिक्षा वर्गों में भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। हिंदू सम्मेलनों और सामाजिक समरसता के कार्यक्रमों में भी व्यापक जनभागीदारी देखने को मिली। मालवा प्रांत में आयोजित हिंदू सम्मेलनों में 70 लाख से अधिक लोग शामिल हुए। वहीं सामाजिक सद्भाव बैठकों में 10,840 समाज प्रमुखों ने भाग लेकर समाज में समरसता और सहयोग को बढ़ावा दिया। युवा कार्यक्रमों के माध्यम से भी संघ ने नई पीढ़ी को जोड़ने का प्रयास किया। प्रांत में आयोजित विभिन्न युवा गतिविधियों में लगभग 1.88 लाख युवाओं की सहभागिता रही।

श्रमायुक्त विभाग इंदौर द्वारा स्टेट एक्शन प्लान, श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर अंतर्गत कार्यशाला सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक श्रमायुक्त इंदौर द्वारा इंदौर एवं उज्जैन संभाग के विभागीय अधिकारी एवं संबंधित स्टैक होल्डर्स के लिए 17 मार्च मंलगवार को जालसभा गृह साउथ तुकोगंज इंदौर में स्टेट एक्शन प्लान एवं श्रम संहिताएं तथा चाइल्ड लेबर एण्ड बॉन्डेड लेबर का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप श्रमायुक्त मुख्यालय इंदौर श्री आशीष पालीवाल, सहायक श्रमायुक्त सिंगरौली श्री बी.पी. सिंह, सहायक श्रमायुक्त उज्जैन श्रीमती राखी जोशी, ई.एस.आई.एस. डायरेक्टर श्री चंद्रशेखर जायसवाल व विशेषज्ञ राज्य सलाहकार यूनिसेफ श्री अमरजीत सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला में श्री अमरजीत सिंह, को-ऑडिनेटर, यूनिसेफ द्वारा बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 एवं बंधक श्रम अधिनियम 1976 के प्रावधानों से अवगत करवाया गया तथा श्रम विभागीय अधिकारियों द्वारा श्रम स्टार रेटिंग, कार्यस्थल पर सुरक्षा, हर्ट फ्री डेज, आरोह, श्रम विभाग से सम्बंधित योजनाएं, वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक, सुरक्षा संहिता 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता 2020 की जानकारी दी गई।

कार्यशाला में इंदौर व उज्जैन संभाग के श्रम विभागीय कार्यपालिक, श्री योगेंद्र विकल, आयुक्त, सहायक भविष्य निधि, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, नियोजक, श्रमिक यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वर्कशॉप का संचालन सुश्री तृप्ति डावर एवं श्री अविनाश रंगारे श्रम निरीक्षक द्वारा किया गया। वर्कशॉप के अन्त में प्रश्न-उत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया।

इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य एक अप्रैल से होगा शुरू

संभाग में गेहूँ उपार्जन के लिए एक लाख 91 हजार से अधिक किसानों ने कराया अपना पंजीयन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर संभाग में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी का कार्य एक अप्रैल से प्रारंभ होगा। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए व्यापक तैयारियां जारी है। संभाग में गेहूँ उपार्जन के लिए एक लाख 91 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

बताया गया कि इंदौर जिले में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724 तथा खरगोन में 27557 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। उन्होंने बताया है कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत् वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195, देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312, ग्वालियर में 13763, गुना में 22914, भिण्ड में 12788, मुरैना में 10893, श्योपुर में 17617, डिण्डौरी में 4478, मण्डला में 19611, जबलपुर में 49642, कटनी में 52126, सिवनी में 53288, नरसिंहपुर में 38416, छिन्दवाड़ा में 29163, बालाघाट में 4383, पांढुर्णा में 863, नर्मदापुर में 71831, बैतूल में 18686, हरदा में 40273, भोपाल में 37129, रायसेन में 76264, विदिशा में 86479, सीहोर में 101793, राजगढ़ 98537, सीधी में 12813, सिंगरौली में 10970, महूगंज में 8018, सतना में 56376, मैहर में 19787, रीवा में 46923, अनुपपुर में 882, शहडोल में 9479, उमरिया में 13445, टीकमगढ़ में 15552, निवाड़ी में 4116, सागर में 75791, पन्ना में 30052, दमोह में 39938 और जिला छतपुर में 34378 किसानों ने पंजीयन कराया है।

संकल्प से समाधान अभियान का इंदौर जिले में प्रभावी क्रियान्वयन

अभियान के अंतर्गत एक लाख 37 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। संकल्प से समाधान अभियान आगामी 31 मार्च तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों की 65 सेवाओं और 41 योजनाओं के तहत आवेदकों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिले में अब तक आयोजित शिविरों में एक लाख 39 हजार 400 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें से एक लाख 37 हजार 197 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदनों की निराकरण की प्रक्रिया भी जारी है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार प्रदेश सरकार सुशासन और स्वराज के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश में गत 12 जनवरी से संकल्प से समाधान अभियान प्रारंभ किया गया है। यह अभियान 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस से प्रारंभ यह अभियान ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय एवं जिला स्तर पर चार चरणों में संचालित होगा। अभियान की संपूर्ण कार्यवाही सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से संपादित की जा रही है। अभियान के अंतर्गत चयनित योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन एवं शिकायतों को प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसके लिए नगरीय निकाय के विभिन्न वार्डों सहित ग्राम पंचायत, क्लस्टर, विकासखंड एवं जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन हो रहा है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदनों के पंजीयन एवं निराकरण की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रथम चरण 12 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित किया गया। अभियान के प्रथम चरण में ग्राम पंचायत/नगरीय वार्ड स्तर पर आवेदन एवं शिकायतों का संग्रह किया गया। शिविर अथवा घर-घर जाकर आवेदन एकत्र कर पोर्टल पर दर्ज किए गए। प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उनका निराकरण किया गया। द्वितीय चरण 16 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में क्लस्टर स्तर तथा शहरी क्षेत्रों में जोन स्तर पर शिविर आयोजित होंगे। तहसीलदार, सीईओ जनपद, सीएमओ एवं समकक्ष अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे। 15 से 30 ग्राम पंचायतों का एक क्लस्टर निर्धारित किया गया है। क्लस्टर/जोन स्तर पर आवेदनों का निराकरण कर पोर्टल पर प्रविष्टि की जाएगी। तृतीय चरण 16 मार्च से प्रारंभ होकर 26 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के तृतीय चरण अंतर्गत विकासखंड एवं नगर स्तर पर शिविरों का आयोजन तथा क्लस्टर/जोन स्तर पर लंबित एवं नवीन आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, सीईओ जनपद एवं सीएमओ नोडल अधिकारी रहेंगे। चतुर्थ चरण 26 मार्च से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2026 तक चलेगा। अभियान के चतुर्थ चरण अंतर्गत जिला स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन में गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए नवीन कंस्ट्रक्शन मटेरियल का उपयोग

प्लास्टिक का सरिया नहीं, जीएफआरपी आधुनिक तकनीक जो स्टील का विकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र सड़क विकास निगम द्वारा इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़क को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए एक नवीन तकनीक वाले मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है। एमपीआरडीसी के प्रबंधक श्री गणेश भाभर ने बताया कि इस सिक्स लेन मार्ग में स्टील के मटेरियल(सरिया) के स्थान पर ग्लास फाइबर रिन्फोर्सड पॉलीमर वाले मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है। जीएफआरपी विनिर्देशों के अनुरूप इस सामग्री का उपयोग आईआरसी 137-2022 के तहत है। सड़क निर्माण में उपयोग में लाएं जा रहे मटेरियल को लेकर पिछले 2 दिनों से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गुणवत्ता को लेकर प्रश्न उठाये गए है। सोशल मीडिया में प्रसारित किए गए वीडियो व रील में दिखाए गए प्लास्टिक के सरिए के साथ सड़क निर्माण करना बताया जा रहा है। जो कि तथ्यों से परे है, क्योंकि उपयोग किया जा रहा सरिया प्लास्टिक का नहीं बल्कि ग्लास फाइबर रिन्फोर्सड पॉलीमर है।

स्टील सरिया के स्थान पर जीएफआरपी ही क्यों- विभाग द्वारा बताया गया है कि स्टील के सरिये में जल्दी जंग लगने की संभावना रहती है। जबकि जीएफआरपी में कभी जंग नहीं लगता वही स्टील सरिया भारी होता है और जीएफआरपी बहुत हल्का होता है। भले ही इसका वजन कम है लेकिन खिंचाव सहने की शक्ति स्टील से कही अधिक होती है। जीएफआरपी में बिजली और गर्मी पास नहीं होती, जो इसे पॉवर प्लांट और एमआरआई रूम जैसी जगहों के लिए सुरक्षित बनाती है। स्टील सरिये को साइट पर मोड़ सकते है, साइट पर मोड़ना मुश्किल होता है।

इन निर्माण कार्यों में भी गुणवत्ता के लिए प्रयुक्त होने लगी है यह सामग्री- एमपीआरडीसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जीएफआरपी का उपयोग सड़क परियोजनाओं में अप्रोच, स्लैब, पुल डेक और पुल डेक ओवरले, पैदल मार्ग, फुट ओवर ब्रिज, स्लैब पुलिया, कंक्रीट सड़के, रिटर्निंग वॉल, ध्वनि अवरोधक, बॉक्स पुलिया, क्रेश बैरियर, पुल पैरापेट पैदल यात्री पैरापेट, रेलिंग व बल्कहेड कॉपिंग में यांत्रिक रूप से स्थिर मिट्टी की दीवार पैनल और कॉपिंग, जल निकासी संरचनाएं व सादे सीमेंट कंक्रीट घटकों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय में एक दिवसीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन सम्पन्न

औषधि उत्पादक किसान एवं औषधि निर्माता कंपनी के बीच में हुआ एमओयू साइन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुर्वेदिक औषधियों की गुणवत्ता युक्त खेती एवं औषधि निर्माता कंपनियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए मंगलवार को शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर में मध्य प्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड भोपाल के द्वारा एक दिवसीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन एवं औषधि पौधों की वैज्ञानिक पहचान से वैश्विक विपणन तक खेती गुणवत्ता और बाज़ार के अवसर विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई । इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य कार्यपालन अधिकारी राष्ट्रीय औषधि पादप बोर्ड आयुष विभाग भारत सरकार डॉ. महेश कुमार दाधीच और मुख्य कार्यपालन अधिकारी मध्य प्रदेश राज्य औषधि पादप बोर्ड श्री संजय कुमार मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इंदौर संभाग से औषधि खेती करने वाले लगभग 70 किसान एवं लगभग 30 औषधि निर्माण कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आयुर्वेदिक औषधि की खेती करने के संबंध में मार्केट में वितरण, उपलब्धता, गुणवत्ता आदि पर विचार किया गया।

रतनगढ़ में गूंजा सामाजिक समरसता का मंत्र, विहिप प्रखंड रतनगढ़ में सामाजिक समरसता संत यात्रा संपन्न

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिन्दव: सोदरा: सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत। मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्र: समानता।।÷ इस भाव को लेकर विश्व हिंदू परिषद रतनगढ़ प्रखण्ड में मंदसौर विभाग से तीन दिवसीय सामाजिक समरसता संत यात्रा डेर के बालाजी मंदिर रतनगढ़ से प्रारंभ हुई , भव्य आतिशबाजी के साथ नगर के प्रमुख मार्ग से नगर में होती हुई पुनः डेर के बालाजी मंदिर पर पहुंची इस दौरान, संतों का पुष्प वर्षा के द्वारा स्वागत किया गया एवं नीम की सड़क चौराहे पर, संतों ने दिया हिंदू एकता और गौ-रक्षा का संदेश दिया।

धर्मसभा को संबोधित करते हुए पूज्य संत श्री 108 श्री श्वासानंद जी महाराज (श्री नारायण आश्रम वृंदावन धाम बरडियाखेड़ी) ने समरसता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू समाज को जातियों के बंधनों से उपर उठकर एक सूत्र में पिरोना ही इस यात्रा का मुख्य ध्येय है। उन्होंने कहा कि जब तक हम समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को गले नहीं लगाएंगे और उसे मुख्यधारा से नहीं जोड़ेंगे, तब तक राष्ट्र परम वैभव को प्राप्त नहीं कर सकता। श्री संत ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृक्तिक जड़ों से जुड़ें और समरस समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। वहीं विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता के क्षेत्रीय (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़) प्रभारी गोपाल सोनी इटारसी ने अपने ओजस्वी संबोधन में गो-रक्षा और हिंदू एकता का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि गौ-माता हमारी आस्था का केंद्र हैं और उनकी रक्षा करना हर हिंदू का परम कर्तव्य है। समाज में व्याप्त ऊंच नीच के भेदभाव को मिटाना अनिवार्य है क्योंकि एकता में ही शक्ति है। यदि हिंदू समाज संगठित और समरस रहेगा तो कोई भी बाहरी शक्ति हमारी संस्कृति को नुकसान नहीं पहुंचा पाएगी। विश्व हिन्दू परिषद के जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सुरेश साहू रतनगढ़ एवं प्रखंड रतनगढ़ अध्यक्ष कंवरलाल मीणा ने बताया कि यात्रा का स्वागत नगर में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता के क्षेत्रीय (मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़) प्रभारी गोपाल सोनी, प्रान्त सामाजिक समरस्ता प्रमुख शिव प्रसाद शर्मा, विभाग प्रमुख प्रकाश पालीवाल, विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला, विभाग सत्संग प्रमुख शंकर सिंह चौहान श्री गोविंद जी यात्रा प्रभारी बजरंग दल जिला संयोजक दुर्गेश धनगर ,जिला सह मंत्री राहुल पाटीदार जिला समरसता प्रमुख जगपाल फरक्या ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यात्रा का रात्रि भोजन एवं विश्राम रतनगढ़ में रहा यात्रा 16 मार्च को पुनः8:00 बजे मोरवन सरवानिया नीमच की ओर प्रारंभ हुई।

देवास के अमृत संचय अभियान से जल संरक्षण के गुर सीखकर लौटी सार्थक एनजीओ की सात सदस्यीय टीम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों को समझने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध सार्थक संस्था का,सात सदस्यीय एक प्रतिनिधिमंडल ने विगत दिवस देवास का शैक्षणिक दौरा किया। टीम ने यहाँ सचालित अमृत संचय अभियान के अंतर्गत भू-जल पुनर्भरण के विभिन्न मॉडलों का जमीनी निरीक्षण किया।

धरातल पर दिखा जल संचय का जादू भ्रमण के दौरान अमृत संचय अभियान की टीम ने दिखाया की कैसे छोटी-छोटी संरचनाओं के माध्यम से 1 वर्ष में 300 करोड़ लीटर लीटर पानी व्यर्थ बहने के बजाय धरती के गर्भ में उतारा गया। सार्थक के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्यों का अवलोकन किया: रूफ वाटर हार्वेस्टिंग: जिले के प्रत्येक स्कूल, नर्सिंग होम, निजी आवासों, कॉलोनियों और बड़े औद्योगिक संस्थानों में वर्षा जल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। सरफेस वाटर हार्वेस्टिंग: पार्कों और बगीचों में बनाई गई छोटी-छोटी जल संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल को सहेजने का बेहतरीन प्रयोग देखने को मिला। कॉलोनी में सड़क के किनारो पर पिट बनाकर कॉलोनी के समस्त पानी को व्यर्थ बहने से बचाने का मॉडल भी अद्भुत था।

औद्योगिक सहभागिता: बड़े उद्योगों में भी जल पुनर्भरण के प्रति सजगता और आधुनिक तकनीक का समन्वय प्रेरणादायी रहा। तकनीकी बारीकियों से हुए रूबरू फील्ड विजिट के पश्चात टीम जिला पंचायत देवास के सभागार पहुंची, जहाँ एक विस्तृत पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अभियान के आंकड़ों और सफलता की जानकारी दी गई। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि विभिन्न प्रयासों के फलस्वरूप सालाना कितना करोड़ लीटर पानी जमीन में वापस भेजा जा रहा है और इससे जिले के वाटर लेवल में कितना सुधार हुआ है। ÷देवास का मॉडल यह सिखाता है कि यदि समुदाय और प्रशासन मिलकर प्रयास करें, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संकट को समाप्त कर सकते हैं। हमने यहाँ सीखा कि कैसे कम लागत में प्रभावी वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर तैयार किए जा सकते हैं। संस्था की संस्थापक डॉ उर्मिला तोमर ने बताया की इस दौरे का मुख्य उद्देश्य देवास की तर्ज पर अपने क्षेत्र में भी जल संरक्षण के इन सफल प्रयोगों को धरातल पर उतारना है। क्योंकि मंदसौर जिला अति दोहित क्षेत्र में आता है।

संविधान के आदर्शों की गूंज के बीच सजा 'सुन ज़रा' ओपन माइक, कला और चेतना का अनोखा संगम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संविधान की प्रस्तावना देश के नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का संदेश देती है। यह उद्गार व्यक्त किए सामाजिक और सांस्कृतिक उत्प्रेरक और काज़मोलजिस्ट शीतल चौहान ने,उन्होंने कहा कि संविधान हमें मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जो प्रत्येक नागरिक के सम्मान और गरिमा की रक्षा करते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारों के साथ-साथ नागरिकों के कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। वे सुन ज़रा ओपन माइक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहीं थीं।उन्होंने सभी से संविधान के प्रति निष्ठा रखते हुए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कई प्रदेशों में गायन के क्षेत्र में उपलब्धियां प्राप्त करने वाले राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायक बबलू शाह ने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है।उन्होंने कहा कि प्रस्तावना में निहित आदर्श हमें एक समतामूलक समाज की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और उनका सही उपयोग करना चाहिए।साथ ही उन्होंने कर्तव्यों के निर्वहन को राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त बताया।गीतकार और महिला समाज सेवी हूर बानो सैफ़ी ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समान अवसर और सुरक्षा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना में व्यक्त मूल्यों को व्यवहार में उतारना समय की आवश्यकता है।उन्होंने संविधान के अधिकार और कर्तव्यों को समाहित करता एक जन गीत भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शायर डी.जे.सिंह कहा कि अधिकारों का लाभ तभी सार्थक है, जब हम अपने कर्तव्यों का पालन भी जिम्मेदारी से करें।उन्होंने सभी नागरिकों से संविधान के आदर्शों को अपनाने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में पंकज आर्य, अखिलेश सेन शैलेंद्र सिंह राठौड़, गुड्डा अंकल, प्रकाश गुप्ता, हेमंत कच्छावा अतिथि थे। शायर डी. जे.सिंह ने अपनी पंक्तियों उठा लिए कदम बोहोत मैंने सम्हाल के,हर फैसला करना है अब सिक्का उछाल के;के माध्यम से श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मेल फ़िमेल दोनों आवाजों में एक साथ कई गीत प्रस्तुत कर बबलू शाह (पाया खेड़ी) ने श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। युवा गायकों सुनील बड़ोदिया,दक्ष पंवार, सुजीता पंवार,उदय सिंह जी,बरखा बैरागी अभिषेक ,राम जी कुमावत राहुल सोलंकी, सेफू भाई एजाज़ भाई ने अपने गीतों के माध्यम से प्यार मोहब्बत,देश भक्ति के पैग़ाम दिए।शायर तालिब वारसी,कलीम शाह, कवि कुंवर प्रताप,पुलकित नागर उज्ज्वल भाई,लखन राठौड़,कवयित्री प्राची राठौड़ ने अपनी शायरी और कविताओं के माध्यम से उपस्थित को जन जागृति प्रेम और एकता,देश भक्ति के संदेश दिए।अंत में श्रीमती शीतल चौहान ने एजाज़ भाई,हूर बानो,प्राची राठौड़ को क्रमशः प्रथम,द्वितीय,तृतीय पुरस्कार तथा सुजीता पंवार और लखन राठौड़ को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में,सोनू गुप्ता युवराज राठौर विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन असअद अंसारी ने किया। आभार कवि मोहित ने माना।

सिद्धेश्वर महादेव के आंगन में हुई शिव महापुराण कथा का पूजन, यज्ञ और भंडारे के साथ विश्राम..

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़े बुजुर्गों से ऊंची आवाज में कभी बात नहीं करनी चाहिए, जो बड़ों का सम्मान नहीं करते हैं, उनकी देवता तो क्या स्वयं भगवान भी उसकी पूजा स्वीकार नहीं करते हैं। सामर्थ्य भी पराजित होता है, यदि उसका आधार अधर्म हो, विश्वास न हो तो.... द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह और दानवीर कर्ण उदाहरण है।

उक्त अमृतवाणी कथा मर्मज्ञ पण्डित मनोहर नागदा काना खेड़ा वाले ने स्कीम नंबर 36 स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर मंदिर समिति द्वारा आयोजित साप्ताहिक श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव के समापन समारोह में सोमवार को पांडाल में उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने मुखारविंद से रसास्वादन करवाते हुए कही। उन्होंने कहा कि अगर प्रभु में प्रेम, विश्वास और श्रद्धा हो तो बड़े से बड़े संकट बाधा तथा समस्या से पार पाना संभव है। घर में बड़ों का जिसने आदर-सम्मान, सत्कार नहीं किया ऐसे लोगों को नर्क भोगना पड़ता है ।सदैव सज्जन व्यक्ति की संगत करना चाहिए। क्योंकि सज्जन व्यक्ति अपनी सज्जनता नहीं छोड़ते हैं।

दुर्जन व्यक्ति के साथ कभी नहीं रहना चाहिए क्योंकि अपनी दूर्जन व्यक्ति अपनी दूर्जनता नहीं छोड़ते हैं। हरि अनंत हरि कथा अनंत होती है। भजन सत्संग के बिना हमारे जीवन में कल्याण नहीं हो सकता है।श्री कृष्ण के 56 करोड़ परिवार जन परिवार थे। शिव महापुराण के मध्य पंडित नागदा ने उमा संहिता, कैलाश संहिता, 12 ज्योतिर्लिंग,रामचरितमानस, श्रीमद् भागवत, समुद्र मंथन, 14 रत्न,अमृत कलश, देव दानव युद्ध विष धनवंतरी, उज्जैन, नासिक, हरिद्वार, प्रयागराज कुंभ,दुर्वा, तुलसी, रक्षा दंपति दारुक दारूका वध आदि धार्मिक प्रसंगो का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्व प्रतिपादित किया। शिव महापुराण कथा प्रसंग में प्रतिदिन नित्य अलग-अलग कथा में व्यासपीठ पर श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता नीमच नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष चोपड़ा,भागीरथ शर्मा, सुनील व्यास, पंडित परसराम शर्मा, भागवत आचार्य जयप्रकाश पुरोहित, दशरथ शास्त्री कन्हैयालाल शर्मा, पंडित दिनेश शर्मा की माता पार्वती देवी तथा पिता बाबूलाल शर्मा, पंडित लक्ष्मण शर्मा शास्त्री, पंडित प्रभु लाल शर्मा का शिव पुराण कथा व सिद्धेश्वर महादेव मंदिर समिति पदाधिकारीयों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने व्यासपीठ पर पहुंचकर श्री शिव महापुराण ग्रंथ को पुष्प अर्पित एवं पूजन कर पंडित जी को उपरना प्रदान कर सम्मानित किया। पूजारी दिनेश शर्मा सहित कई वरिष्ठजन मुख्य रूप से उपस्थित थे। श्री शिव महापुराण कथा महोत्सव समिति द्वारा पोथी पूजन कर पंडित मनोहर नागदा, भागवत आचार्य पंडित घीसालाल नागदा के पुत्र भजन गायक पंडित पुष्कर नागदा ने मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे और राम आएंगे भजन प्रस्तुत किया तो सब श्रद्धालु भक्त शिव भक्ति में डूबे। पुष्कर नागदा का सम्मान किया। आरती के पश्चात् सामुहिक महाप्रसाद (भंडारे) का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नीलकंठ महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रों उच्चारण के साथ अभिमंत्रित रुद्राक्ष का किया गया।महाकाल की तर्ज पर फुलों से श्री सिध्देश्वर महादेव का श्रृंगार किया जो सभी भक्तों को बहुत प्रिय लग रहा था। आने वाले सभी शिवभक्तों ने क्रमशः दिव्य दर्शन कर पुण्य आशीर्वाद ग्रहण किया।

तरबूज से भरे ट्रक में 85 किलो डोडाचूरा समेत ड्राइवर पकड़ाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारायणगढ़ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुखबिरी पर तरबूज से भरे ट्रक में 85 किलो डोडाचूरा समेत ड्राइवर को पकड़ा है। जांच टीम द्वारा तस्करी की परतों को खोलकर जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेर सिंह बघेल व प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी मल्हारगढ़ कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उनि भारत भाबर के कुशल नेतृत्व में दिनांक 16 मार्च को सउनि बाबुलाल डामोर मय टीम द्वारा पिपलिया मंडी मनासा रोड सगज बावजी मंदिर के पास बरखेडा वीरपुरिया फंटा पर वाहन चेकिंग के दौरान ट्रक क्रमांक आरजे 40 जीए 0335 के चालक सुरेन्द्र पिता डालुराम जाट उम्र 29 साल निवासी जाटो का मोहल्ला कालवास लुणकरणसर बिकानेर राजस्थान से हिकमत अमली से पूछताछ की गई। आरोपी के कब्जे वाली तरबुज से भरी ट्रक से 06 प्लास्टिक के कट्टो से कुल 85 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा को विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गि6रफ्तारशुदा आरोपी से उक्त डोडाचूरा की स्त्रोत के संबंध मे पूछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नारायणगढ मय पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

प्रस्तावित अनंतिम दरें के संबंध में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागृह में आयोजित की गई। जिला पंजीयक श्री प्रशांत पाराशर ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि वर्ष 2026-27 हेतु जिले की गाईड-लाईन (अचल सम्पत्ति) के अनन्तिम दर निर्धारित किये जाने हेतु बैठक आयोजित की गई।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने तत्परता से सुनी 45 आवेदकों की समस्याएं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन ने 45 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में सभी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जाए एवं कोई भी व्यक्ति अनावश्यक परेशान न हो। जनसुनवाई के दौरान आए विभिन्न प्रकरणों में त्वरित निर्देश जारी किए गए। देहरी निवासी भुवानसिंह ने मंदिर की भूमि से अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार दलौदा को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैलारा निवासी रेशमबाई ने कृषि भूमि का विक्रय करने की अनुमति के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार मल्हारगढ़ को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। बर्रामा निवासी प्रहलाद ने सुचना का अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी प्रदाय करने के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीएम गरोठ को जांच कर आवश्यक जानकारी तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में पीएम सम्मान किसान सम्मान निधि का लाभ दिलवाने, सिमांकन करवाने, बिजली बिल प्रकरण का निराकरण करने, संबल योजना के आवेदन का निराकरण करवाने, नल जल योजना की अनियमितताएं दुर करने एवं शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त करने जैसे विविध प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए।

75 साल पुरानी परंपरा का अद्भुत नज़ारा: नीमच में रंग तेरस पर निकली भेरुजी की गैर, करे की खाल से हुआ स्नान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुराने शहर नीमच सिटी में मंगलवार को रंग तेरस का पर्व पारंपरिक आस्था, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी मोहल्ले से वर्षों पुरानी परंपरा के तहत भेरुजी की गैर निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और युवा वर्ग शामिल हुए।

रंग तेरस के मौके पर विशेष परंपरा निभाते हुए भूमिगत विराजमान भेरुजी की प्रतिमा को गड्ढे से बाहर निकाला गया। इसके बाद बकरे की खाल में भरे पानी से उनका विधिवत स्नान कराया गया। स्नान के पश्चात पूजा-अर्चना कर भेरुजी को दाल-बाटी और लड्डू का विशेष भोग अर्पित किया गया। यह अनूठी परंपरा क्षेत्र की आस्था और लोकसंस्कृति का प्रमुख प्रतीक मानी जाती है।

गैर माहेश्वरी मोहल्ले से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुनः वहीं आकर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिमा को ठेले पर विराजित कर नगर भ्रमण कराया गया। खेड़ापति बालाजी मंदिर में पूजा-अर्चना और भोग के बाद गैर आगे बढ़ी। मार्ग में श्रद्धालुओं ने गुलाल उड़ाकर और रंग खेलकर उत्सव का आनंद लिया।

गैर में शामिल युवाओं की टोली आकर्षण का केंद्र रही। वे बकरे की खाल में पानी भरकर भेरुजी के स्नान के साथ-साथ लोगों पर छिड़काव करते नजर आए, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

माहेश्वरी समाज के राकेश बाहेती के अनुसार यह परंपरा करीब 75 वर्षों से चली आ रही है। भेरुजी वर्षभर गड्ढे में विराजमान रहते हैं और केवल होली के अवसर पर ही बाहर निकालकर स्नान, पूजन और भोग लगाया जाता है। इसके बाद नवरात्रि में पुनः विधि-विधान से स्थापित किया जाता है।

यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का भी माध्यम है।

ग्राम रिछालालमुँहा में श्रीराम कथा एवं हनुमंत महायज्ञ की पत्रिका भगवान श्री तलाई वाले बालाजी को अर्पित की गई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा तहसील के ग्राम रिछालालमुँहा में श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में आगामी 25 मार्च से 2 अप्रैल हनुमान जयंती तक अंतर्राष्ट्रीय आचार्य श्री रामानुज जी के सानिध्य में आयोजित होने वाली श्री राम कथा एवं हनुमंत महायज्ञ की आमंत्रण पत्रिका आज मंगलवार को मंदसौर में श्री तलाई वाले बालाजी भगवान के चरणों में अर्पित की गई और भगवान बालाजी से सभी भक्तों ने प्रार्थना की कि ग्राम रिछालालमुंहा में ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित श्री राम कथा जन-जन की कथा के रूप में प्रचलित हो और विराट रूप में संपन्न हो।

भगवान बालाजी के दरबार में पोस्टर का भक्तों ने किया विमोचन- इस शुभ प्रसंग पर रिछालालमुँहा निवासी भाजपा नेता श्री धीरज पाटीदार, श्री हरिकथा आयोजन समिति मंदसौर के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल , कोषाध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल , श्री शिवप्रताप सिंह राणा , श्री रमेश काबरा, श्री संजय वर्मा, श्री राजू ओझा, श्री राजेंद्र चाष्टा, श्री सुरेश पाटीदार , श्री सुभाष सांवरिया, श्री सुरेश पाठक, डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, श्री संजय जैन, श्री कपिल मावर सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

भगवान श्री तलाई वाले बालाजी को पत्रिका अर्पित करने के पश्चात उपस्थित भक्तों को जानकारी देते हुए भाजपा नेता धीरज पाटीदार ने बताया कि उनकी जन्म भूमि ग्राम रिछालाल मुँहा में ग्रामवासियों के सहयोग से डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से श्री खेड़ापति हनुमान जी भगवान का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया है मंदिर में विराजित होने वाले भगवान हनुमान जी और अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष में श्री रामकथा एवं हनुमंत महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है द्य यह आयोजन 25 मार्च से आरंभ होगा। 25 मार्च से 2 अप्रैल तक व्यास पीठ पर अंतर्राष्ट्रीय आचार्य श्री रामानुजजी विराजेंगे और अपने श्रीमुख से भक्तों को नौ दिवसीय श्री रामकथा का श्रवण करवाएंगे। श्री राम कथा आरंभ दिवस 25 मार्च को दोपहर 2:00 बजे गांव के बस स्टैंड से गाजे बाजे के साथ पोथी यात्रा निकलेगी द्य यह यात्रा श्री खेड़ापति बालाजी मंदिर होते हुए कथा स्थल पहुंचेगी जहां पर आचार्य श्री रामानुज जी कथा का रसपान करवाएंगे। प्रतिदिन कथा प्रातः 11 से दोपहर 3:00 बजे तक होगी। श्री हरि कथा आयोजन समिति मंदसौर के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल ने बताया कि ग्राम रिछालाल मुँहा में आयोजित श्री राम कथा एवं हनुमंत महायज्ञ को लेकर तैयारी बड़े पैमाने पर चल रही है द्य दस हजार आमंत्रण पत्रिका आसपास के 24 गांव में भक्तों द्वारा पीले चावल के साथ वितरित की जा रही है हनुमंत महायज्ञ 27 मार्च को सुबह 7:00 बजे आरंभ होगा द्य हनुमंत महायज्ञ एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान हिंगोरिया मठ के महंत श्री रामानंद भारती एवं यज्ञाचार्य पंडित मिश्रीलाल शास्त्री इंदौर द्वारा संपन्न करवाएंगे द्य 27 मार्च को हनुमंत महायज्ञ आरंभ दिवस प्रातः 9:00 बजे आचार्य श्री रामानुजजी के सानिध्य में गांव में कलश यात्रा निकलेगी और कथा विश्रांति दिवस 2 अप्रैल हनुमान जयंती पर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा पश्चात संध्या 4:00 बजे विशाल महाभंडारा महाप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है द्य श्री हरिकथा आयोजन समिति मंदसौर के कोषाध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल , सामाजिक कार्यकर्ता श्री रमेश काबरा, श्री राजेंद्र चाष्टा, श्री सुरेश पाठक श्री संजय वर्मा ने भक्तों से आह्वान किया कि ग्राम रिछालाल मुँहा में आयोजित श्रीराम कथा एवं हनुमंत महायज्ञ महोत्सव के विराट आयोजन में सपरिवार उपस्थित होकर धर्म लाभ लेवे।

हरीश शर्मा बने राष्ट्रीय उपमंत्री

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतवर्षीय गुर्जरगौड ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपमंत्री बने हरीश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश जोशी और प्रधानमंत्री प्रद्युमन जोशी द्वारा राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें सिंगोली निवासी हरीश शर्मा को राष्ट्रीय उप मंत्री पद पर नियुक्त किया गया हरीश शर्मा विगत 6 साल से महासभा के नीमच जिला अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं पूर्व में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रह चुके है साथ ही श्री शर्मा ने सामाजिक सक्रियता कुशल संगठन कर्ता के रूप में अपनी पहचान नीमच जिले में बनाई है इसी को देखते हुए श्री शर्मा की राष्ट्रीय उप मंत्री पद पर नियुक्ति हुई है शर्मा की इस नियुक्ति से पूरे नीमच जिले के गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज में हर्ष की लहर है साथ ही उनके गृह नगर सिंगोली में सभी समाज जनों में एक उत्साह का वातावरण है उनके इष्ट मित्रों के द्वारा बधाइयां दी जा रही है श्री शर्मा ने उनकी इस नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जी जोशी और प्रधानमंत्री प्रद्युमन जी जोशी का आभार व्यक्त किया है साथ ही इस नए दायित्व के लिए और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया है।

ट्रक के पीछे घुसी पिकअप, केबीन में फसा चालक घायल, लोगों ने बमुश्किल बाहर निकाला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महू-नीमच हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में पिकअप चालक घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दुर्घटना दोपहर करीब 12.15 बजे साबाखेड़ा फंटे के पास हुई, जहां ट्रक के पीछे चल रही पिकअप पीछे से टकराने के बाद डिवाइडर से टकराने के बाद पलटी खा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिकअप क्रमांक आरजे 27 जीडी 2283 में सवार ड्राइवर भरत पिता रामनारायण, निवासी मनासा पिकअप तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था। इसी दौरान वह अनियंत्रित होकर पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। पिकअप के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और ट्रक में फंसे चालक को बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलते ही बही टोल प्लाजा की पैरामेडिकल टीम मौके पर पहुंची। टीम के पायलट हरीश गुर्जर एवं हेल्पर राहुल बृजवानी ने घायल चालक को प्राथमिक उपचार देते हुए तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सुचारू कर दिया गया।

सम्पादकीय

तपता मार्च, सूखता पानीः क्या हम असली समस्या से भाग रहे हैं?

सुबह की हवा में अब वसंत की ठंडक नहीं, गर्मी की तीखी आहट है, और यही हाल कई शहरों में फैल चुका है। मार्च 2026 में दिल्ली में पारा 35.7एष्ट तक पहुंचा ङ्क पहले सप्ताह का 50 साल का सबसे गर्म मार्च ङ्क जबकि गुजरात, राजस्थान, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कई इलाकों में तापमान 38-42एष्ट तक पहुंच गया। लखनऊ, जयपुर, भोपाल, इंदौर जैसे शहर भी इस असामान्य गर्मी की चपेट में हैं। यह क्षणिक बदलाव नहीं, बल्कि बदलती जलवायु की स्पष्ट तस्वीर है जो पूरे देश की दिनचर्या में समा रही है। जो मार्च कभी हल्की धूप और सुकून का महीना था, अब तपिश और सूखेपन का अनुभव बन गया है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि लंबे समय की अनदेखी का नतीजा है, जिसे हम 'नया सामान्य' मानने लगे हैं।

मार्च के शुरुआती दिनों में ही बढ़ती गर्मी ने मौसम की पुरानी धारणाएं तोड़ दी हैं। जो तपिश कभी अप्रैलङ्कमई तक सीमित थी, वह अब पहले ही सप्ताह में रिकॉर्ड बना रही है। यह सिर्फ समय का बदलाव नहीं, बल्कि बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन का संकेत है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया। चिंताजनक यह है कि पहाड़ी क्षेत्र भी अब इससे अछूते नहीं, साफ है कि जलवायु परिवर्तन सीमाएं पार कर चुका है। यह फैलता संकट हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है और हमें सोचने पर मजबूर कर रहा है कि क्या हमने प्रकृति से अपना संतुलन खो दिया है।

इस बढ़ती गर्मी के साथ जल संकट भी तेजी से गहराता जा रहा है। बड़े जलाशयों का घटता स्तर किसी सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव का नहीं, बल्कि गंभीर असंतुलन का संकेत है। मार्च में ही जब पानी आधा रह जाए, तो आने वाले महीनों का संकट साफ दिखाई देता है। इसका असर सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं, गांवों में किसान फसलों को बचाने के लिए जूझ रहे हैं। नदियां कमजोर पड़ रही हैं, भूजल नीचे जा रहा है और पानी की हर बूंद की अहमियत बढ़ती जा रही है। यह हालात स्पष्ट करते हैं कि जलवायु परिवर्तन केवल गर्मी नहीं बढ़ा रहा, बल्कि हमारे जल संसाधनों को भी तेजी से खत्म कर रहा है।

तापमान और प्रदूषण का साथ इस संकट को और खतरनाक बना रहा है—एक ऐसा दोहरा प्रहार जो शरीर और पर्यावरण दोनों को प्रभावित कर रहा है। गर्मी बढ़ते ही हवा में मौजूद जहरीले कण और सक्रिय हो जाते हैं, जिससे सांस लेना कठिन हो जाता है। दिल्ली और आसपास की खराब होती हवा यह दिखा रही है कि समस्या सिर्फ गर्मी नहीं, बल्कि उसी हवा की है जिस पर जीवन निर्भर है। इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रहा है, और अस्पतालों में बढ़ती भीड़ संकेत है कि यह अब पर्यावरण नहीं, गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है।

ऐसे हालात में वर्ल्ड बैंक का हरियाणा क्लीन एयर प्रोजेक्ट (300 डॉलर मिलियन) राहत की उम्मीद जगाता है। साफ हवा के लिए मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार, इलेक्ट्रिक वाहन, कृषि और उद्योग सुधार सकारात्मक कदम हैं। लेकिन असली सवाल यही है कि क्या ये पर्याप्त हैं, या हम सिर्फ ऊपर-ऊपर से समस्या को संभाल रहे हैं? मॉनिटरिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा और कृषि सुधार जरूरी हैं, पर जब तक ये व्यापक और दीर्घकालिक नीति से नहीं जुड़ते, तब तक इनका असर सीमित ही रहेगा।

वास्तविक चुनौती उन जड़ों पर प्रहार करने की है जहां से यह संकट पैदा हो रहा है। तेज औद्योगिकीकरण, जीवाश्म ईंधनों पर बढ़ती निर्भरता, जंगलों की कटाई और अव्यवस्थित शहरी विस्तार ने प्राकृतिक संतुलन को गहराई से बिगाड़ दिया है। फिर भी हम प्रदूषण को मौसमी मानकर टाल देते हैं और गर्मी को अस्थायी असुविधा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन मार्च 2026 ने साफ कर दिया है कि यह सोच अब खतरे से खाली नहीं। जब असामान्यता ही सामान्य लगने लगे, तो इसका मतलब है कि हमने समस्या को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उससे लड़ने की तैयारी अब भी अधूरी है।

इस बदलते दौर का सबसे भारी असर आम लोगों की जिंदगी पर दिख रहा है, जहां रोजमर्रा अब सहज नहीं, संघर्ष बन गई है। एक साधारण परिवार के लिए पानी बचाना, बिजली संभालना और स्वास्थ्य सुरक्षित रखना लगातार चुनौती है। बच्चों का बाहर खेलना घट गया है, बुजुर्गों के लिए बाहर निकलना जोखिम भरा है और कामकाजी लोगों के लिए काम की गति बनाए रखना कठिन हो रहा है। यह सिर्फ पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहरा कर रहा है—जहां साधन वाले खुद को बचा लेते हैं, वहीं कमजोर वर्ग पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

सबसे अहम सवाल यही है कि क्या हम सब कुछ देखते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं? लगातार चेतावनियां सामने हैं—बढ़ता तापमान, वैज्ञानिक रिपोर्टें, मौसम के संकेत—सब एक ही खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं। इसके बावजूद हमारी प्रतिक्रिया अक्सर सतही ही रहती है। हम तात्कालिक राहत के उपाय अपनाते हैं, जैसे ठंडक के लिए एसी या पानी का अस्थायी इंतजाम, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने से बचते हैं। यह सोच हमें कुछ समय जरूर दे सकती है, पर समस्या का हल नहीं।

अब जरूरत है कि इस संकट को पूरी गंभीरता से स्वीकार कर ठोस बदलाव की दिशा में आगे बढ़ा जाए। स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना, जल संरक्षण को प्राथमिकता देना, हरित क्षेत्र बढ़ाना और नीतियों में सख्ती लाना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता बन चुके हैं। साथ ही हर व्यक्ति की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि छोटे प्रयास मिलकर बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

सहज स्वभाव में स्थित व्यक्ति सदैव विजयी होता है : श्री माताजी

सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिस्थापित एक जीवंत वैज्ञानिक पद्धति है। सहजयोग कोई यौगिक अथवा शारीरिक क्रिया नहीं है वरन् सहजता से जीवन को जीना है। सहज रूप से जब हमारा योग अर्थात् जुड़ना परम शक्ति से हो जाता है तब हम सहजयोगी हो जाते हैं। सहजयोग कोई नई विचारधारा, संप्रदाय अथवा धर्म नहीं है यह तो संपूर्ण सृष्टि को चलायमान रखने वाला परमात्मा का यंत्र है। मनुष्य को परमशक्ति द्वारा बुद्धि प्रदान कर विचारों की स्वतंत्रता प्रदान की गई और इसी बुद्धि ने उसे असहज बना दिया। मानव जाति को इस भटकाव से बचाने के लिए अनेक अवतार, गुरु, व संत इस संसार में समय समय पर परमात्मा की इच्छा से अवतरित हुए और सभी ने सहजता की ही बात की व सहज जीवन को ही जिया। भारत में अनेकानेक ऐसे संत हुए हैं जो अपने गुणों के द्वारा देव तुल्य हो गए। ऐसे ही संत कबीर दास जी का नाम संतों की अग्रिम पंक्ति में लिया जाता है। जीवन की सहजता का वर्णन संत कबीर दास जी ने अपने दोहे में इस प्रकार किया है कि,

सहज सहज सब कोई कहै,सहज न चीन्हें कोय।
जिन सहजै विषया तजै, सहज कहावै सोय ।।

अर्थात् सहज - सहज सब कहते हैं, परन्तु उसे समझते नहीं जिन्होंने सहजरूप से विषय - वासनाओं का परित्याग कर दिया है, उनकी निर्विषय-स्थिति ही सहज कहलाती है।

कबीर दास जी द्वारा वर्णित इसी सहजता की प्राप्ति सहजयोग में श्री माताजी के सानिध्य व कृपा में आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के पश्चात् होती है। हम अपने सहज स्वभाव में स्थित रहने लगते हैं व समस्त दुश्चिंताओं से शारीरिक कष्टों से मुक्ति संभव हो जाती है। इस का वर्णन करते हुए श्री माताजी ने कहा है कि, जब आप भगवान के साम्राज्य में खड़े होते हैं खुशी के साम्राज्य में तो हर हाल में तुम राजा और रानी बनते हो। कोई भी आपको खरीद नहीं सकता या आप पर विजय प्राप्त नहीं कर सकता। आप सब कुछ जीत लेते हैं।

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो।

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है।

इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। इसके साथ ही जलापूर्ति और सीवेज व्यवस्था के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखना अनिवार्य किया जाना चाहिए। जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है। स्थानीय निकायों की जवाबदेही तय करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार जल आपूर्ति और उसकी गुणवत्ता की निगरानी दोनों की जिम्मेदारी उन्हीं के पास होती है। ऐसी स्थिति में पारदर्शिता की कमी हो जाती है।

निश्चिततौर यह समझना होगा कि स्वच्छ जल केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। जिस प्रकार भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य को जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं में शामिल किया जाता है, उसी प्रकार स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी उतनी ही अनिवार्य है। यदि देश को वास्तव में स्वस्थ और समृद्ध बनाना है तो जल की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं तभी पूर्ण रूप से सफल मानी जाएंगी जब हर घर तक पहुंचने वाला पानी वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन को केवल सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाया जाए। जब तक समाज, प्रशासन और सरकार मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक दूषित जल का संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हो पाएगा। स्वच्छ जल की रक्षा दरअसल जीवन की रक्षा है, और यह जिम्मेदारी हम सभी की है।

-ललित गर्ग

संवैधानिक मर्यादा का खुला उल्लंघन

पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य प्रशासन का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रति व्यवहार न केवल लोकतांत्रिक शिष्टाचार का उल्लंघन है, बल्कि यह भविष्य के लिए एक चिंताजनक मिसाल भी है। ममता बनर्जी ने कहा कि राष्ट्रपति भाजपा के एजेंडा में फंस गई हैं। भाजपा उनसे अपना एजेंडा पूरा करवा रही है। आप 50 बार आएं तो सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होना संभव नहीं होगा। भाजपा की चिंता सत्ता होती है और मेरी चिंता मेरे राज्य की जनता होती है। यानी वह कह रही थीं कि आप भाजपा का एजेंडा पूरा करने के लिए बार-बार बंगाल आती हैं और उम्मीद करती हैं कि मैं आपके स्वागत के लिए रहूं तो ऐसा नहीं हो सकता। क्या ममता बनर्जी की इस तरह की भाषा और व्यवहार को सामान्य लोकतांत्रिक मर्यादा और संविधान की भावनाओं के अनुरूप भी माना जा सकता है?

ममता बनर्जी इसके पहले राज्यपाल से लेकर चुनाव आयोग, केंद्रीय जांच एजेंसियों और कई बार न्यायपालिका को भी इसी भाषा में आरोपित कर चुकी हैं। अभी तक राष्ट्रपति का पद उनके अपमान और दुर्व्यवहार से बचा हुआ था। राष्ट्रपति को आरोपित करना वास्तव में राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा है। राष्ट्रपति के पद को स्तरहीन दलीय राजनीति से बाहर रखा जाना चाहिए। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मु पश्चिम बंगाल में 9वां अंतरराष्ट्रीय संताल समारोह एवं कांफ्रेंस को संबोधित करने गई थीं। यह कार्यक्रम बागडोगरा हवाई अड्डा के पास सिलीगुड़ी महकमा परिषद के गोंसाईपुर में आयोजित किया गया।

पहले यह विधाननगर में आयोजित होना था, लेकिन बंगाल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य कारणों का हवाला देते हुए इसे स्थानांतरित कर दिया। नए स्थान तक पहुंचना कठिन था और इतना छोटा था कि ज्यादा लोग शामिल नहीं हो सकते थे। स्वाभाविक था कि राष्ट्रपति विधाननगर भी गईं, संथाल भाई-बहन वहां भी थे। वहां उन्हें राज्य सरकार के रवैये के प्रति अपना असंतोष प्रकट करने तथा सच्चाई अभिव्यक्त करने को बाध्य होना पड़ा। वस्तुतः बंगाल की धरती पर उतरने के समय से ही सरकार द्वारा राष्ट्रपति की अवहेलना और अपमान की शुरुआत हो गई थी।

सामान्य प्रोटोकाल और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री या अगर किसी कारणवश वह नहीं आ सकें तो उनकी जगह कोई मंत्री रहते हैं। इसके साथ प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहते हैं, लेकिन राष्ट्रपति मुर्मु के स्वागत के लिए वहां ये नहीं थे। स्वतंत्र भारत में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब कोई राज्य सरकार राष्ट्रपति के कार्यक्रम के लिए उपयुक्त जगह की अनुमति न दे।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

अध्ययन, मनन से संस्कार और ज्ञान के खुलते चक्षु

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अतः मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोद्य उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। पंचतंत्रतथा हितोपदेश इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

-संजीव ठाकुर

संसदीय परंपराओं की अनदेखी

भारतीय लोकतंत्र की असल शक्ति एवं खूबसूरती चुनावों के अतिरिक्त उन संस्थाओं की गरिमा और कार्यसंस्कृति में निहित है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाए रखती हैं। संसद इसी व्यवस्था का केंद्र है, और संसद के भीतर लोकसभा अध्यक्ष का पद उन कुछ संवैधानिक संस्थानों में से एक है जिनसे निष्पक्षता, संतुलन और गरिमा की सर्वोच्च अपेक्षा की जाती है। ऐसे समय में जब दुनिया के अनेक हिस्सों में संसदीय संस्थाएं राजनीतिक टकराव और अव्यवस्था के दबाव में कमजोर होती दिखाई दे रही हैं, भारत में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला का कार्यकाल संसदीय दक्षता और संवैधानिक मर्यादा का उदाहरण है।

उनके नेतृत्व में लोकसभा ने लगभग 97 प्रतिशत की कार्य उत्पादकता हासिल की, जो पिछले दो दशकों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। वर्ष 2019 से अब तक आयोजित 21 सत्रों में से 10 सत्र ऐसे रहे, जिनमें सदन की उत्पादकता 100 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। वर्ष 2025 के शीतकालीन सत्र में तो लोकसभा ने निर्धारित समय से भी अधिक काम करते हुए 103 प्रतिशत कार्य निष्पादित किया।

लोकसभा अध्यक्ष का पद केवल सदन की कार्यवाही चलाने तक सीमित नहीं होता। भारतीय संविधान के अंतर्गत अध्यक्ष को सदन का संरक्षक या 'कस्टोडियन' माना गया है। इसका अर्थ है कि वह न केवल प्रक्रियाओं की निगरानी करते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श को संतुलित और सार्थक बनाए रखने की जिम्मेदारी भी निभाते हैं। ओम बिरला ने सदन में समय के आवंटन को संख्या बल के आधार पर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक भागीदारी के आधार पर सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। 17वीं लोकसभा में सत्ता पक्ष के भारी बहुमत के बावजूद विपक्ष और गैर-राजग दलों को कुल चर्चा समय का लगभग 61.05 प्रतिशत अर्थात 807 घंटे प्रदान किए गए।

लोकसभा में उनके विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर का पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है और संविधान ने उसे मध्यस्थता की भूमिका दी है। ऐसे पद पर बैठे व्यक्ति के प्रति अविश्वास का सवाल उठाना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं माना जा सकता। ओम बिरला ने संसदीय प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाने के लिए 'फर्स्ट टाइमर्स फर्स्ट' की नीति अपनाई है, जिसके अंतर्गत नव निर्वाचित और अपेक्षाकृत कम चर्चित सांसदों को अपनी बात रखने के लिए प्राथमिकता दी जाती है। इससे सदन की लोकतांत्रिक प्रकृति और अधिक व्यापक हुई है।

ओम बिरला के कार्यकाल का एक महत्वपूर्ण पहलू संसदीय प्रणाली के संस्थागत सुदृढ़ीकरण से जुड़ा है। नव निर्वाचित सांसदों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करना इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नए सांसदों को संसदीय प्रक्रिया, नियमों और संसदीय परंपराओं से परिचित कराया जाता है। लोकसभा के संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान 'प्राइड' के माध्यम से विभिन्न विधानसभाओं तथा संसद के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त, समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पीठासीन अधिकारियों की एक समिति का गठन भी किया गया है, जिसका उद्देश्य संसद तथा राज्य विधानसभाओं की समिति व्यवस्था की समीक्षा करना है। ओम बिरला के नेतृत्व में लोकसभा को 'पेपरलेस' बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। डिजिटल संसद प्लेटफार्म की स्थापना, सांसदों के लिए डिजिटल अटेंडेंस प्रणाली और आनलाइन आनबोर्डिंग जैसी व्यवस्थाएं इसी परिवर्तन का हिस्सा हैं। इसी क्रम में 'नेशनल ई-विधान' कार्यक्रम को भी व्यापक स्तर पर लागू किया गया है।

संसदीय कार्यवाही में एआइ के उपयोग से संसद की 18,000 से अधिक घंटों की ऐतिहासिक कार्यवाही का डिजिटलीकरण किया गया है, जो संसदीय विरासत के संरक्षण की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। संसदीय कार्यों के लिए 'संसद भाषिणी' जैसे स्वदेशी एआइ टूल का उपयोग कर संसदीय दस्तावेजों को विभिन्न भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। बोडो, डोगरी, मैथिली, मणिपुरी, उर्दू और संस्कृत जैसी भाषाओं को भी इसमें शामिल किया गया है। एक व्यापक डिजिटल पार्लियामेंट लाइब्रेरी की स्थापना भी की गई है।

यह सांसदों, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों के लिए संसदीय दस्तावेजों तक पहुंच को आसान बनाती है। विधेयकों पर ब्रीफिंग सत्रों के माध्यम से सांसदों को विधेयकों की पृष्ठभूमि और प्रविधानों को विस्तार से समझने का अवसर मिला है, जिससे सदन में होने वाली बहसें अधिक सार्थक और तथ्यपरक बन सकी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला की भूमिका सक्रिय रही है। भारत में आयोजित पी-20 सम्मेलन में जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों ने भाग लिया। ब्रिक्स पार्लियामेंट्री फोरम और इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन की सभाओं में भी भारत की सक्रिय भागीदारी ने वैश्विक संसदीय मंचों पर देश की भूमिका को मजबूत किया है। इसके बावजूद संसद में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की प्रवृत्ति संसदीय परंपराओं को कमजोर करती है। संसदीय दक्षता, पारदर्शिता, निष्पक्षता और गरिमा के जो मानक उनके कार्यकाल में स्थापित हुए हैं, वे आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र की संस्थागत स्मृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।

-धनंजय राजौरा

मालवी जाजम पर बिखरे मालवा के कई रंग

मालवा के छायाचित्रों और कलाकृतियों की प्रदर्शनी ने मन मोहा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा अँचल की विविधवर्णी परम्पराओं, भौगोलिक पहचान, तासीर, मौसम, संस्कृति, खान-पान, और सामाजिक व्यवहार के रूप में पीढ़ियों से एक जैसे रहे हैं। ये सब पीढ़ियों के जीवनानुभव से उपजे लोक का संचित ज्ञान था, जिसे हम तेज़ी से खत्म करते जा रहे हैं।

देवास में मंगलवार को आयोजित मालवी जाजम में ये बातें मालवा के अध्येता वक्ताओं ने कही। विभिन्न सत्रों में सुबह से शाम तक रोचक बातचीत हुई। इससे पूर्व जीएसआईटीएस इंदौर के निदेशक नितेश पुरोहित, मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के विवस्मान हेबालकर, प्रेमचंद सृजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी उज्जैन ने शुभारंभ किया। वरिष्ठ सामाजिक विज्ञानी डॉ सुनील चतुर्वेदी ने इस दो दिनी महती आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मनीष शर्मा ने करते हुए इसकी पूर्व पीठिका प्रस्तुत की। रजनीश पोरवाल ने स्वागत भाषण दिया।

मालवा का लोक जीवन के पहले सत्र में संस्कृति, लोक साहित्य, लोक पर्व, पहनावा, खान-पान, आबो-हवा, भूगोल, हवा, पानी में आए बदलावों को रेखांकित करते हुए समूह चर्चा में लगभग 50 प्रतिभगियों ने अपनी बात रखी।

25 से ज्यादा मालवी व्यंजन बनाना सीखाए- मालवी जन के ठेठ देसी स्वाद को याद करते हुए 25 से ज़्यादा ऐसे व्यंजनों को बनाना सीखाया गया जो अब लगभग प्रचलन से बाहर हो चुके हैं। मालवी मिठास के भावेश कानूनगो ने रसावल के ज़रिए घुघरी, लाप्सी, सीरो, सुनसुनी, नुक्ती, राखोडिया लड्डू आदि व्यंजनों पर बात की तो सभागार में उपस्थित श्रोताओं की जीभ पर बरसों पुराना स्वाद लौट आया। चयन कानूनगो ने सत्र को रोचक ढंग से फेसिटिलेट किया।

छाया चित्र और कला प्रदर्शनी में झलका मालवा का सौंदर्य- आयोजन स्थल पर प्रदर्शित मालवा के वरिष्ठ छायाचित्रकार कैलाश सोनी, बंशीलाल परमार, सुधीर महाजन और प्रत्युष वैद्य के छायाचित्रों में मालवा का जन-जीवन धड़कता हुआ सा लगा। इसमें देखकर लगा कि हमने इधर के 30-40 सालों में नए चलन में आकर मालवा से क्या-क्या खो दिया है।

इसी प्रकार कला प्रदर्शनी में वंदना शर्मा, कुसुम वागड़े, छाया कानूनगो, शांतनु बेहरे, शर्मिला ठाकुर तथा मीनाक्षी दुबे की परंपरागत कृतियों ने मालवा की गौरवशाली विभिन्न पर्वों, अवसरों पर बनने वाले मांडणा, चित्रावण और संजा आदि को रेखांकित किया।

मालवी लोकगीतों ने बाँधा समां- गीता बाई पराग और उनकी मण्डली ने पीढ़ियों से गूँजने वाले परम्परागत सुमधुर मालवी लोकगीतों की प्रस्तुति दी तो समूचा सभागार तालियों से गूँज उठा। सिंगाराम पराग, तनु पराग, अंकित मालवीय, ललिता सूर्यवंशी आदि संगत कलाकार थे।

बुधवार को भी होंगे कई सत्र- दो दिनीं आयोजन में बुधवार को भी खेड़ापति होटल में कई सत्र होंगे, जिनमें मालवा के खेत-खलिहान की पीढ़ियों पुरानी शैली तेज़ी में आए बदलावों को पहचान कर नए तौर तरीकों के नुकसान पर भी बात होगी। इसके साथ मालवा की चिकित्सा, सेहत और मालवा की जैव संपदा पर भी महत्त्वपूर्ण सत्र होंगे।

आयोजन में बड़ी संख्या में उज्जैन, आगर, रतलाम, देवास आदि जिलों के गणमान्यजन तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आध्यात्मिकता और युवा चेतना का संगम

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की दिव्य एवं करुणामयी छत्रछाया में 22 मार्च 2026 को कानपुर के निराला नगर स्थित रेलवे ग्राउंड (पराग डेयरी के समीप) में उत्तर प्रदेश का भव्य राज्य स्तरीय निरंकारी संत समागम श्रद्धा, समरसता और आध्यात्मिक उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। यह पावन आयोजन मानवता, विश्वबंधुत्व और आध्यात्मिक जागृति का प्रेरणास्त्रोत बनेगा। प्रातः 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलने वाले इस दिव्य समागम में देवास, उज्जैन, इंदौर सहित विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु भक्त एकत्रित होकर सतगुरु के अमृतमय संदेशों का श्रवण करेंगे। सत्संग की इस पावन वाणी से मानव जीवन में प्रेम, सहअस्तित्व, करुणा और वैश्विक भाईचारे की भावना को नया आलोक प्राप्त होगा। समागम स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोपरि रखते हुए लंगर, प्याऊ, चिकित्सा सेवा, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ अत्यंत सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित की जा रही हैं। सभी भक्तजन सेवा-भाव, अनुशासन और समर्पण के साथ स्थल को स्वच्छ, सुंदर और भक्तिमय वातावरण से परिपूर्ण बनाने में निरंतर सक्रिय हैं। आयोजन की सफलता हेतु स्थानीय प्रशासन भी सहयोग प्रदान कर रहा है। इस दिव्य समागम की पूर्व बेला में युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से 20 एवं 21 मार्च को 'निरंकारी यूथ सिम्पोजियम' का आयोजन किया जाएगा, जिसका मुख्य विषय 'द सिक्स एलीमेंट्स'- छः तत्व रहेगा। इस प्रेरणादायी मंच पर लघु नाटक, भक्ति-गीत, पैनल चर्चा और संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को आध्यात्मिकता, अनुशासन, आत्मिक संतुलन, मानवीय मूल्यों, सकारात्मक चिंतन तथा रचनात्मक नेतृत्व के प्रति प्रेरित किया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न जिलों से आने वाले युवा अपनी प्रतिभा, रचनात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस आयोजन को जीवंत बनाएंगे। यह सिम्पोजियम युवाओं के भीतर सेवा, सहयोग, समर्पण और वैश्विक मानवीय चेतना को सुदृढ़ करने का माध्यम सिद्ध होगा। निसंदेह, प्रेम, एकता, सहअस्तित्व और विश्वबंधुत्व के दिव्य संदेश से ओत-प्रोत यह संत समागम श्रद्धालुओं के जीवन में नई प्रेरणा, आत्मिक शांति और आनंद का आलोक प्रस्फुटित करेगा।

इस पावन अवसर पर सभी श्रद्धालु भक्तों, नगरवासियों, बुद्धिजीवियों तथा प्रभुप्रेमी जनों को सादर आमंत्रित किया गया है कि वे इस आध्यात्मिक संगम में सहभागी बनकर सतगुरु कृपा का लाभ प्राप्त करें। उक्त जानकारी विनोद गज्जर ने दी।

बैकर्स सभी हितग्राहियों मूलक सत्रोजगार योजनाओं में 25 मार्च के पूर्व शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी विभागों और बैंकर्स शाखा प्रबंधकों ने शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं हितग्राहियों मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर कार्य किया है।परिणाम स्वरूप नीमच जिला प्रदेश में अच्छी रेंक हासिल कर सका है। अधिकांश योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति में जिला प्रथम स्थान पर रहा है । सभी बैंकर्स द्वारा अच्छा कार्य किया गया है । जिले के सभी बैकर्स उनकी शाखाओं में स्वीकृति के लिए लम्बित शेष सभी प्रकरण 25 मार्च के पूर्व स्वीकृत कर, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण सुनिश्चित करें।

यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभा कक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय बैकर्स समन्वय समिति की बैठक में हितग्राही मूलक स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति की विभागवार, योजनावार, बैकवार, समीक्षा करते हुए कही। बैठक में जिला पंचायत सीईओं श्री अमन वैष्णव एवं सांसद प्रतिनिधि श्री पवन कुमार दुबें एलडीएम श्री शितांशु शेखर नाबार्ड एवं आरबीआई के प्रतिनिधि तथा सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधकगण एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

कैला देवी मंदिर में प्रारंभ हुई चैत्र नवरात्रि महोत्सव की भव्य तैयारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मिश्रीलाल नगर में स्थापित मां केला देवी के शक्तिपीठ मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार चैत्र नवरात्रि महोत्सव की तैयारी पर प्रारंभ हुई । मंदिर के संस्थापक सेठ मन्नूलाल गर्ग के बताया कि प्रति वर्षानुसार चैत्र नवरात्रि पर मां कैला देवी के दर्शन के लिए भारतवर्ष से लाखों मां के भक्तों का आगमन होता है। कैला देवी मंदिर उत्सव समिति द्वारा 9 दिनों का नवरात्रि महोत्सव मनाया जाता है। उसी तारतम्य में इस वर्ष 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के दिन प्रातः काल में हिंदू नव वर्ष का स्वागत उत्सव समिति द्वारा मनाया जाएगा।

पश्चात कैला देवी मंदिर में घट स्थापना के साथ नवरात्रि अनुष्ठान प्रारंभ होगा जिसमें पंडित नरेंद्र तिवारी के आचार्यत्व में 9 दिनों तक श्रीमद भागवत हावनादिक यज्ञ प्रतिदिन रहेगा । 20 मार्च से 26 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से वृंदावन-हरिद्वार के आध्यात्मिक संत महामंडलेश्वर श्री भास्करानंद जी द्वारा होने वाली सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन मंदिर परिसर में होगा जिसकी भव्य तैयारी प्रारंभ हो चुकी है। भागवत प्रेमी श्रोताओं के लिए पृथक पृथक बैठक व्यवस्था की गई है । मध्यप्रदेश का गौरव शक्ति पीठ मां कैला देवी के आध्यात्मिक मंदिर परिसर में हनुमान जी की भव्य प्रतिमा का भक्तों को नव रूप में दर्शन प्राप्त होगा । केला देवी मंदिर उत्सव समिति के संयोजक , भाजपा के जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, समिति अध्यक्ष महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, आयोजन संयोजनकर्ता दीपक गर्ग, अनामिका गर्ग योगेश बंसल ,हरीश बंसल, समिति पदाधिकारी पूर्व महापौर रेखा वर्मा,भाजपा जिला महामंत्री राजेश यादव, डॉ डी पी श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास , रमन शर्मा, राजेश खत्री, जयपाल सिंह चावड़ा, अजब सिंह ठाकुर, ओपी तापड़िया, मनोज मूंदड़ा, गणेश लाल सिंघल, अंकेश सिंघल आदी।

कर्म जगत के लिए और योग स्वयं के लिए होना चाहिए - साध्वी नमिता देवी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यह शरीर मन,बुद्धि,विवेक, इंद्रियां सब कुछ हमें बाहर से मिले हैं। इनमें से किसी का भी सृजन हमने नहीं किया है। हमें ये इसलिए प्रदान की गई है जिससे कि हम अपने कर्तव्यों की पूर्ति करके अपने कर्म-बंधनों के जाल को काट सकें। हम कर्म तो करते हैं, लेकिन जाल को कम नहीं करते, अपितु उसे और उलझाते जाते हैं। फिर जब दुख पुरे वेग से आकर हमें धराशायी कर देता है, तब भी हम स्वयं को दोषी न मानकर दूसरों पर दोषारोपण शुरू कर देते हैं। देवोपासना में लिन व्यक्ति यदि मन में किसी के प्रति वितृष्णा के भाव ला रहा है तो देव की उपासना जैसा सात्विक कर्म भी तमस कर्म की श्रेणी में आएगा। सूक्ष्म सदैव स्थूल की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है। मन से किया गया कार्य अधिक महत्व रखता है। व्यक्ति सोचता है कि मैं तो प्रतिदिन घंटे- घंटे भर जाप करता हूं, तब भी सुखद फल नहीं मिलता। आप शरीर से, वाणी से कर्म कर रहे हैं,योग नहीं कर रहे हैं। योग का अर्थ है कर्मों में निर्लिप्तता। आपको दुख नहीं चाहिए तो सुख भी छोड़ना पड़ेगा। दोनों एक साथ एक ही पुलिंदे में बंधकर मिले हैं। कर्म योग से सिद्ध हुए तत्वज्ञ भली भांति समझते हैं कि कर्मों से ही बंधन है और कर्मों से ही मुक्ति।

उक्त आत्म कल्याणकारी सत्संग विचार ग्राम रातातलाई में समाज सेवी हुकमचंद कुम्भज के अनुज व ऋषि कुंभज के काकाश्री स्व.रामेश्वर कुम्भज (रामु सेठ) की स्मृति में आयोजित महान आत्मज्ञान संगोष्ठी में सतपाल महाराज की शिष्या नमिता बाई ने व्यक्त किये। बड़ी संख्या में उपस्थित धर्म प्रेमियों को संबोधित करते हुए साध्वी जी ने कहा कर्म योग का तात्पर्य बताया गया है कि कर्म जगत के लिए और योग स्वयं के लिए होना चाहिए। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि कर्म का उद्देश्य कर्तव्यों का निर्वाह एवं जगत की सेवा है, न कि अपने हम का पोषण। यदि संसार में किसी को कोई पद मिला है तो वह पद उसकी निजी संपत्ति नहीं है, उस पर उसका एकाधिकार नहीं है। जब आप किसी पद को सुशोभित कर रहे हैं तो इससे जुड़े कर्तव्यों का पालन करने को भी आप बाध्य है। पद की शक्ति स्थाई नहीं, आपने उसका सृजन नहीं किया, यह शक्ति बाहर से मिली है। साध्वी जी ने भजन-हरिका गुण गाई ले रे मनवा जब लग सुखी शरीर... की मधुर प्रस्तुति देते हुए कहा दरअसल मनुष्य अपने छोटे से अंश के प्रति ही सचेतन रहता है। मन जिसके द्वारा वह संकल्प-पत्र विकल्प करता है, बुद्धि जिसके द्वारा वह सोचता और काम करता है, प्राणशक्ति जो उसे चलाती है और जीवित रखती है और शरीर जिसमें मन और प्राण दोनों अवस्थित है। यही वे सब कुछ है, जिन्हें मनुष्य जानता है। यह तो केवल उसकी बाह्य सत्ता है, उसका एक छोटा- सा अंश है। इसके अतिरिक्त भी मनुष्य की एक विशालतम, महानतम आंतरिक सत्ता है, जिसकी बाह्य सत्ता तो वास्तव में एक प्रक्षेपण मात्र है।

इसकी शक्तियां मन,बुद्धि व शरीर से भी अधिक महान है। इस अवसर पर महेश मेहता, रमेश चंद्र गुप्ता, सतीश मेहता,जामसिंग सोलंकी, राजाराम मंडलोई,मकडू सोलंकी, ज्ञानसिंह चौहान,डांस.अनिल सोलंकी, मनोहर पटेल, नारायण सिंह अकलेचा, शोभाराम भार्गव, लच्छु सोलंकी, तुलसीराम नायक आदि बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। विश्व शांति की प्रार्थना के साथ दो मिनिट का मौन रख कर श्रद्धांजलि देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया है।

मानवता की मिसालः लापता मंदबुद्धि युवक को ग्रामीणों ने सुरक्षित ढूंढा, परिजनों को सौंपा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के भगवानपुरा वार्ड नंबर 9 के रहने वाले एक मंदबुद्धि युवक के सुरक्षित मिलने से क्षेत्र में खुशी और संतोष का माहौल है। जानकारी के अनुसार, विनोद कुमार का 26 वर्षीय पुत्र दीपक (दीपु) मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण बीते 10 मार्च 2026 को अपने घर से कहीं चला गया था। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो रामपुरा नवजीवन निःशक्तजन कल्याण संघ के अध्यक्ष माणक मोदी एवं स्र्ष्ट पार्वती मोदी ने मानवीय पहल करते हुए इस मामले को समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर प्रमुखता से उठाया।

सोशल मीडिया पर फैली इस जानकारी का असर जल्द ही देखने को मिला, 15 मार्च कोजब बैंसला की हेमलता धनोतिया ने बालक को पहचानने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उक्त युवक को साइकिल लेकर रामपुर बैसला मार्ग की ओर जाते हुए देखा है। इस सूचना के मिलते ही बैंसला के ग्रामीणों ने सक्रियता दिखाई और एक विशेष खोज अभियान चलाया।

बैंसला सरपंच अमर रावत के नेतृत्व में दिलखुश मीणा, मनोहर मीणा, दिनेश मीणा, तरुण कहार और सत्यनारायण मीणा ने मिलकर बैंसला-चम्बल मार्ग पर युवक की सघन तलाश शुरू की। ग्रामीणों की इस तत्परता और सामूहिक प्रयास का परिणाम रहा कि कुछ ही समय में दीपक को सुरक्षित ढूंढ निकाला गया। युवक के मिलने के तुरंत बाद इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई, जिससे परिवार की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उन्होंने रामपुरा नवजीवन संस्था के अध्यक्ष मानक मोदी और बैंसला के सभी ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबकी एकजुटता और मानवता के कारण ही उनका बेटा आज घर वापस आ पाया है। इस पूरे घटनाक्रम ने सिद्ध कर दिया है कि यदि समाज और तकनीक का सही समन्वय हो, तो बड़ी से बड़ी मुश्किल को हल किया जा सकता है।

कन्या महाविद्यालय में जल संरक्षण के महत्व पर व्याख्यान एवं रैली का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महारानी पुष्पमाला राजे पवार शासकीय कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत शासन के निर्देशानुसार जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन के उद्देश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत प्राचार्य डॉ जी डी सोनी के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जल संरक्षण के महत्व पर व्याख्यान, निबंध, भाषण एवं स्लोगन प्रतियोगिता तथा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा जल स्रोतों की सुरक्षा के लिए प्रेरित करना था। डॉ वर्षा जायसवाल ने अपने व्याख्यान में जल संरक्षण के महत्व तथा छात्रों को अपने दैनिक जीवन में जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया। प्रो प्रमोद परिहार ने छात्राओं को जल के महत्व एवं जल संकट की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया तथा डॉ क्रांतदर्शी सिंदल ने जल बचाने के व्यावहारिक उपाय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंतर्गत 11 मार्च को आयोजित निबंध प्रतियोगिता में एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की अलीशा खान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर महकद्वीप निरनिया रही। पोस्टर प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा ममता चौहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान पर एमएससी द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कशिश अंसारी रही। इसी कड़ी में 12 मार्च को प्रो अंकित सक्सेना द्वारा छात्राओं को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा परिसर में स्वच्छता एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरुक करते हुए रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा समाज में जल संरक्षण का संदेश प्रसारित करना था। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। सभी प्रतिभागियों ने जन संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नीमच में बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन, मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रदेश स्तरीय आंदोलन के तहत पहले चरण में सोमवार को नीमच जिला मुख्यालय पर कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। बिजली कर्मचारी महासंघ शाखा नीमच के बैनर तले बड़ी संख्या में कर्मचारी अधीक्षक यंत्री कार्यालय पहुंचे और अधीक्षण यंत्री जयपाल सिंह ठाकुर को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।

कार्यालय परिसर में संविदा, आउटसोर्स और नियमित कर्मचारियों की बड़ी भीड़ जुटी। कर्मचारियों ने एक स्वर में कहा कि उनकी कई महत्वपूर्ण मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर बार-बार ध्यान दिलाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने सेवा सुरक्षा, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान, कार्य परिस्थितियों में सुधार सहित अन्य प्रमुख मांगों को शासन-प्रशासन के सामने रखा। कर्मचारियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो महासंघ उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगा।

इस दौरान क्षेत्रीय सचिव प्रशांत कुशवाह ने ज्ञापन का वाचन करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और अब सरकार को इस दिशा में ठोस निर्णय लेना ही होगा।

कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष नितिन साहू सहित कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

कुर्मी क्षत्रिय समाज देवास का वार्षिकोत्सव एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 15 मार्च को कुर्मी क्षत्रिय समाज देवास का वार्षिकोत्सव एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन किंग जार्ज हायर सेकंडरी स्कूल में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल थीं। विशेष अतिथि अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी कुमायु एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष हेमकुमारी थी। इसके अतिरिक्त प्रदेश कार्यकारिणी से प्रहलाद पटेल, विमल गौर, इंदौर से नमिता सचान, बीना से सतीष पटेल, उज्जैन से राजकुमार कटियार आदि सहित देवास से बड़ी संख्या में समाजजनों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गौरवांवित किया। सर्वप्रथम समाज अध्यक्ष लालजी पटेल ने स्वागत भाषण में कहा कि विगत कई वर्षो से निरंतर कार्यक्रम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य समाज को संगठित करना एवं आपसी भाईचारा हो, समाज जितना संगठित होगा उतना ही मजबूत होगा। मुख्य अतिथि गीता दुर्गेश अग्रवाल ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से समाज में जागरूकता आती है एवं सभी के सहयोग से स्वच्छता में कम आबादी वाले शहरों में देवास प्रथम रहा। साथ ही सरदार पटेल की प्रतिमा परिषद से पास हो गई है, जल्द ही शहर में स्थापित करवायी जाएगी। भोपाल से पधारी महिला प्रदेश अध्यक्ष हेमकुमारी ने कहा कि समाज के प्रति समर्पण एवं परिवार की मर्यादाओं के साथ महिलाओं को आगे आना चाहिये एवं दहेज प्रथा को समाप्त करना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष गिरधारी कुमायु ने कहा कि देवास में प्रतिवर्ष वार्षिकोत्सव एवं युवक युवती परिचय कार्यक्रम होता है जसके लिए मैं देवास टीम को बधाई देता हूं।

राजस्थान का सबसे बड़ा अफीम तस्करी नेटवर्क बेनकाब, नीमच से जुड़े तार, 5 करोड़ से अधिक की खेप, तस्कर गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थों की तस्करी में एक बार फिर नीमच का नाम बड़े स्तर पर सामने आया है। राजस्थान की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ह्ज्ञस्र) और स्थानीय पुलिस ने 'ऑपरेशन मद-प्रलय' के तहत अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। जांच में साफ हुआ है कि सांचौर में पकड़ी गई 81 किलो अवैध अफीम की बड़ी खेप मध्यप्रदेश के नीमच जिले से ही लोड कर राजस्थान ले जाई जा रही थी। इस खुलासे के बाद नीमच के तस्करों और उनके सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है।

इस नेटवर्क का पर्दाफाश तब हुआ जब सांचौर (जालौर) के लछड़ी टोल प्लाजा (भारतमाला एक्सप्रेस-वे) पर नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। स्पेशल टास्क फोर्स के महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि तस्करों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। लेकिन साहस दिखाते हुए एएनटीएफ और स्थानीय पुलिस ने भी मुंहतोड़ जवाबी फायरिंग की और तस्करों की घेराबंदी कर ली। पुलिस के कड़े रुख को देखते हुए तस्करों को मौके पर ही घुटने टेकने पड़े।

नीमच से ले जाई जा रही थी 5 करोड़ की खेप- तलाशी लेने पर वाहन से 81 किलो अफीम का दूध बरामद हुआ। मौके से शिवपुरा (पाली) निवासी दो आरोपियों श्रवण राम और सूरजा राम को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच और पूछताछ में यह स्पष्ट हो गया है कि यह अफीम एक सुगठित साजिश के तहत नीमच से लाई गई थी और इसे राजस्थान में बड़े पैमाने पर खपाने की योजना थी।

भीलवाड़ा में भी 21 किलो अफीम जब्त- नीमच से जुड़े इस नेटवर्क पर एएनटीएफ की यह अकेली चोट नहीं है। 'ऑपरेशन मद-प्रलय' के तहत ही भीलवाड़ा में भी एक बड़ी कार्रवाई की गई। यहां गंगानगर और बीकानेर के तीन तस्करों सुभाष, मनफूल और कैलाश को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 21 किलो अफीम और एक गाड़ी बरामद की गई है। आईजी विकास कुमार के अनुसार, इन दोनों कार्रवाइयों में पकड़ी गई 1 क्विंटल (102 किलो) से अधिक अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक है।

पड़ोसी जिले आगर से एमडी फैक्ट्री के वांटेड गिरफ्तार* नीमच के साथ-साथ मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी राजस्थान एएनटीएफ की नजर है। 'ऑपरेशन 750' के तहत पिछले चार दिनों से मध्य प्रदेश में डेरा डाले हुए एएनटीएफ की टीम ने हाल ही में झालावाड़ में पकड़ी गई बड़ी एमडी (स्रष्ठ) ड्रग्स फैक्ट्री के मामले में अहम कामयाबी हासिल की है। टीम ने नीमच के पड़ोसी जिले आगर-मालवा के बड़ौद थाना क्षेत्र से 25-25 हजार रुपये के दो इनामी वांटेड आरोपियों गोपाल सिंह और नरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

आस्था के पथ पर नन्हे कदम, बदनावर के 6 वर्षीय रोमन ने भीषण गर्मी में रखा पहला रोज़ा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पवित्र रमज़ान का महीना खुदा की इबादत, सब्र और रूहानी सुकून का पैगाम लेकर आता है। इस मुकद्दस महीने में जहाँ बड़े-बुजुर्ग दिनभर भूखे-प्यासे रहकर इबादत में लीन हैं, वहीं बदनावर के नन्हे बच्चों में भी दीन के प्रति गजब का उत्साह और अटूट आस्था देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में बदनावर के 6 वर्षीय बालक रोमन कुरैशी पिता अब्दुल समद कुरैशी ने अपनी कम उम्र की सीमाओं को पार करते हुए ज़िंदगी का पहला रोज़ा रखा।

मार्च के इस महीने में जब सूरज की तपिश और लू के थपेड़े बड़ों को भी बेहाल कर रहे हैं, ऐसे में एक 6 साल के मासूम के लिए दिनभर बिना अन्न-जल के रहना किसी चमत्कार से कम नहीं है। रोमन ने न केवल सुबह की %सहरी% की, बल्कि पूरे दिन खेल-कूद के बीच अपने रोज़े के अनुशासन को बनाए रखा। शाम को इफ्तार के वक्त जब दस्तरख्वान सजा, तो रोमन के चेहरे पर एक अलग ही चमक और सुकून दिखाई दिया। रोमन के पिता अब्दुल समद कुरैशी ने बताया कि परिवार में सभी को रोज़ा रखते देख रोमन के मन में भी अल्लाह की राह पर चलने की इच्छा जागी। उन्होंने कहा हमे लगा कि छोटा बच्चा है, शायद दोपहर तक हार मान जाएगा। लेकिन रोमन का दृढ़ संकल्प इतना मजबूत था कि उसने शाम तक अपना रोज़ा मुकम्मल किया। उसकी इस लगन ने हम सबको भावुक और गौरवान्वित कर दिया है।

शाम को मगरिब की अज़ान के साथ जब रोमन ने अपना पहला रोज़ा खोला, तो घर का माहौल ईद जैसा खुशनुमा हो गया। परिवार के सदस्यों, मित्रों और रिश्तेदारों ने रोमन को दुआओं से नवाज़ा। नन्हे रोज़ेदार का उत्साह बढ़ाने के लिए उसे तोहफे दिए गए और फूल-मालाओं से उसका इस्तकबाल किया गया। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि रोमन की यह छोटी सी उम्र की बड़ी इबादत अन्य बच्चों और समाज के लिए धैर्य और संयम का एक खूबसूरत उदाहरण है।

बदनावर में क्रिकेट का रोमांच चरम पर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक भंवरसिंह शेखावत द्वारा विधानसभा क्षेत्र के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए आयोजित बाबूजी प्रीमियर लीग में हर दिन नए रोमांचक मोड़ देखने को मिल रहे हैं। टूर्नामेंट अब उस दौर में पहुँच गया है जहाँ एक-एक रन और एक-एक विकेट के लिए टीमों के बीच कड़ा संघर्ष हो रहा है। जहाँ एक ओर पहली बार हार-जीत का फैसला सुपर ओवर के जरिए हुआ, वहीं दूसरी ओर एक टीम मात्र 6 रन पर ऑल आउट होकर टूर्नामेंट के उतार-चढ़ाव की गवाह बनी।

रविवार का दिन सुपर संडे के रूप में यादगार रहा। बीपीएल के इतिहास में पहली बार अतिथि के रूप में मातृशक्ति ने शिरकत कर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई की। ब्राह्मण समाज महिला मंडल और माहेश्वरी समाज महिला मंडल की सदस्यों ने पहुँचकर विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र वितरित किए।

अतिथि दीर्घा में स्मिता शर्मा, नेहा शर्मा, सीमा रावल, प्रियंका शर्मा, शिवानी अग्निहोत्री, निधि द्विवेदी, मंजू लिटोरिया, संगीता पंड्या, प्रीती तिवारी एवं संगीता माहेश्वरी, ज्योति काबरा, जयश्री माहेश्वरी, नेहा बाहेती व ऋतु चांडक उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत विधायक प्रतिनिधि महेश पाटीदार, संदीपसिंह चंद्रावत, अनिल जाट, आशीष जोशी, राजेन्द्र जाट और देवेन्द्रसिंह पंवार ने दुपट्टा ओढ़ाकर किया। कार्यक्रम का संचालन देवपालसिंह जादव ने किया।

बदनावर मंडी में 5 दिनों तक रहेगा अवकाश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय कृषि उपज मंडी में आने वाले दिनों में लगातार पांच दिनों तक व्यापारिक गतिविधियां बंद रहेंगी। त्योहारों और सार्वजनिक अवकाशों के कारण मंडी प्रशासन ने नीलामी कार्य स्थगित रखने का निर्णय लिया है। अवकाश के चलते मंडी में नीलामी नहीं होगी। दिनांक 18 मार्च-अमावस्या, 19 मार्च-गुड़ी पड़वा, 20 मार्च-चेटी चंडी, 21 मार्च-ईद-उल-फितर, 22 मार्च-रविवार को मंडी अवकाश रहेगा। लगातार पांच दिनों के अवकाश के पश्चात अब मंडी में फसलों की नीलामी का कार्य 23 मार्च, सोमवार से पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ होगा। मंडी प्रशासन और जानकारों ने किसान भाइयों से विशेष अपील की है कि वे असुविधा और आर्थिक परेशानी से बचने के लिए इन घोषित छुट्टियों के दौरान अपनी उपज लेकर मंडी न आएं। किसान अब सोमवार, 23 मार्च को ही अपनी फसल नीलामी हेतु मंडी लेकर पहुंचें।

अनिल डुलगज बने जिला महामंत्री

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त श्री प्रताप जी करोसिया एवं संभाग अध्यक्ष श्री मोहित जी तोमर की सहमति से रतलाम जिला अध्यक्ष श्री मनीष वेद द्वारा अनिल डूलगज को राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा का रतलाम जिला महामंत्री नियुक्त किया गया जिनकी नियुक्ति पर समस्त सफाई कर्मचारी संगठन एवं समाज के लोगों ने बधाई देकर हर्ष व्यक्त किया है।

संतश्री कोमलकुमारमुनिजी के सानिध्य में 19 मार्च को मनेगा नववर्ष

धर्मसभा में मुनिश्री ने कहा– मृत्यु को समझने वाला ही जीवन सार्थक कर सकता है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तेरापंथ आचार्यश्री महाश्रमणजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संतश्री कोमल कुमार मुनिजी एवं संतश्री सिद्धार्थकुमारमुनिजी (ठाणा 2) के पावन सानिध्य में बखतगढ़ में 19 मार्च, गुरुवार को नववर्ष संवत्सर प्रतिपदा गुड़ीपड़वा का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धर्म-आराधना के साथ मनाया जाएगा। बखतगढ़ तेरापंथ संघ ने इस गरिमामय आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है।

19 मार्च को आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के तहत प्रातः 9 बजे मुनिश्री के मुखारविंद से विशेष प्रवचन होंगे, जिसमें नववर्ष और गुड़ीपड़वा के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। इस अवसर पर बड़ा मंगल पाठ एवं मंत्रों का जाप भी किया जाएगा। आध्यात्मिक कार्यक्रमों के पश्चात स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। संघ ने नगर एवं क्षेत्र के सभी श्रीसंघों को दर्शन, वंदन और मांगलिक श्रवण का लाभ लेने हेतु आमंत्रित किया है। मंगलवार को जैन उपाश्रय में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री कोमलकुमारजी ने जीवन की नश्वरता पर गंभीर विचार रखे। उन्होंने कहा

मृत्यु सदैव जीव के पास रहती है, जीवन का एक पल का भी भरोसा नहीं है। जो मृत्यु की वास्तविकता को समझ लेता है, वही इस मनुष्य जीवन को सार्थक कर मोक्ष प्राप्त कर सकता है। मनुष्य जीवन सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि इसी के माध्यम से जीव नर से नारायण बन सकता है।

म.सा. ने बुजुर्गों को धर्म से जोड़ने की प्रेरणा देते हुए कहा कि धर्म करना, करवाना और त्याग करने वालों की अनुमोदना करने से कर्मों की निर्जरा होती है। इससे सेवा करने वाले और धर्म करने वाले, दोनों का कल्याण होता है। आयोजन की पूर्व संध्या पर सोमवार को गुरु वंदना एवं प्रतिक्रमण के पश्चात एक विशेष मंच का आयोजन किया गया। इसमें श्रावक-श्राविकाओं और बच्चों ने धार्मिक स्तवन एवं अपने विचार प्रस्तुत किए। मुनिश्री ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से व्यक्ति के मन की हिचकिचाहट दूर होती है और उनमें निर्भीकता का संचार होता है।

चलित खाद्य प्रयोगशाला का पारा भ्रमण, एशेंस मिला आम रस नष्ट करवाया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के सीजन को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा गर्मी में बिकने वाले खाद्य पदार्थ की जांच को लेकर विशेष अभियान शुरू किया है जिसमें आज जिले के ग्राम पारा में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं नापतोल विभाग द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण कर होटल, हाट बाजार/फेरी विक्रेताओं एवं आम रस निर्माता इत्यादि की जांच की गई तथा चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा मौके पर ही कुल 32 नमूने जांच किए गए। पारा के होली चौक में स्थित आम रस विक्रेता के यहां से जांच में लिए गए आम रस में एसेंस मिला पाए जाने पर लगभग 30 लीटर आमरस मौके पर ही नष्ट करवाया गया। वहीं पंचायत क्षेत्र के समीप फेरी विक्रेताओं के यहां चलित प्रयोगशाला द्वारा मसाले एवं अनाज का परीक्षण किया गया जिसमें मसाले में रंग की मिलावट नहीं पाई गई। नापतोल निरीक्षक श्री कपिल कदम के द्वारा पारा में सदर बाजार स्थित मोदी मार्ट पर कार्यवाही करते हुए दाल के पैकेट पर मानक घोषणा अंकित ना होने की स्थिति में विधिक माप विज्ञान अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है। नापतोल विभाग द्वारा सभी विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि अधिकतम खुदरा मूल्य(एम.आर.पी) से अधिक मूल्य पर किसी भी वस्तु का विक्रय ना करें, शिकायत पाए जाने की स्थिति में अधिनियम अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया जावेगा।

अंधत्व निवारण की दिशा में बड़ा कदम, बदनावर में निःशुल्क नेत्र शिविर संपन्न, 7 मरीजों को ऑपरेशन हेतु मक्सी भेजा गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नर सेवा ही नारायण सेवा है÷ के ध्येय को सार्थक करते हुए जिला अंधत्व निवारण समिति धार, मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी और लायन्स क्लब बदनावर के संयुक्त तत्वाधान में मंगलवार को को एक निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। स्थानीय शासकीय सिविल अस्पताल परिसर में आयोजित इस शिविर के माध्यम से क्षेत्र के कई नेत्र रोगियों को नई रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है।

शिविर के दौरान विशेषज्ञों की टीम ने कुल 31 नेत्र रोगियों की आँखों की गहराई से जाँच की। आधुनिक मशीनों द्वारा किए गए इस परीक्षण में 9 मरीजों को मोतियाबिंद से ग्रसित

पाया गया, जिन्हें निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण (ऑपरेशन) के लिए चिन्हित किया गया है। स्वास्थ्य मानकों का पालन करते हुए, चिन्हित किए गए मरीजों में से 7 रोगियों को तत्काल उपचार और ऑपरेशन की प्रक्रिया के लिए मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी रवाना किया गया।

शिविर को सफल बनाने में विशेषज्ञों और समाजसेवियों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मक्सी हॉस्पिटल के अनुभवी नेत्र चिकित्सा सहायक देवेश मिश्रा ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श दिया। वहीं, लायन्स क्लब बदनावर की ओर से लायन विष्णु बैरागी ने उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं को संभाला और मरीजों की सहायता की। क्लब के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक उच्च स्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधा पहुँचाना है।

क्षेत्रवासियों के लिए यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि बदनावर के शासकीय अस्पताल में मक्सी हॉस्पिटल का यह कैंप एक नियमित सेवा प्रकल्प बन चुका है। प्रत्येक माह के तीसरे मंगलवार को यह शिविर आयोजित किया जाता है, ताकि मोतियाबिंद या अन्य नेत्र रोगों से जूझ रहे मरीजों को भटकना न पड़े।मंगलवार को सफल आयोजन के समापन पर आगामी कार्यक्रम की घोषणा भी की गई। श्रृंखला का अगला निःशुल्क शिविर 21 अप्रैल 2026 को इसी स्थान पर आयोजित किया जाएगा। लायन्स क्लब और स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि जिन लोगों को आँखों में कम दिखाई देने या मोतियाबिंद की शिकायत है, वे अगले शिविर में पहुँचकर इस निःशुल्क सेवा का लाभ अवश्य उठाएं।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र मालाहात टोडी, जुनी रम्भापुर एवं रम्भापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा 17 मार्च 2026 को आंगनवाड़ी केन्द्र मालाहात टोडी सेक्टर रम्भापुर परियोजना मेघनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को बच्चों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर द्वारा उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। उप स्वास्थ्य केंद्र पर उपस्थित सीएचओ द्वारा बताया गया कि टीकाकरण का सेशन जुनी रम्भापुरआंगनवाड़ी केन्द्र में चल रहा है। जुनी रम्भापुर आंगनवाड़ी केन्द्र में टीकाकरण सेशन संचालित हो रहा था। जिसमें ड्यू लिस्ट के 10 बच्चों का टीकाकरण किया जाना था जिसमें से मात्र 4 बच्चों का टिकाकरण किया गया एवं 2 गर्भवती का टिकाकरण किया जाना था जिसमें से 01 गर्भवती महिला का टिकाकरण होना पाया गया, इस पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए आशा कार्यकर्ताओं को नोटिस दिये जाने के बीएमओ को निर्देश दिये गये। साथ ही आंगनवाड़ी केंद्र पर 6 माह से 3 वर्ष तक के 13 बच्चे एवं 3 से 6 वर्ष तक के 11 बच्चे दर्ज पाये गये। जिससे कलेक्टर द्वारा कार्यकर्ता को पुनः सर्वे कर बच्चों का पंजीयन किये जाने हेतु निर्देर्शित किया गया एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को नोटिस जारी करने हेतु परियोजना अधिकारी को निर्देश दिये गये।

रंगों में सराबोर हुआ नीमच, रंग तेरस पर उमड़ा उत्साह, गुजराती समाज ने निभाई परंपरा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रंग तेरस का उत्सव इस बार पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। उपनगर नीमच सिटी के नया बाजार और जूना बाजार क्षेत्र रंगों की बौछार से सराबोर नजर आए। हर गली और चौक में रंगों की खुशबू और लोगों के चेहरों पर खुशी की चमक साफ दिखाई दी। सुबह से ही लोगों की टोलियां सड़कों पर उतर आईं। महिला, पुरुष, युवा, बुजुर्ग और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, जो पिचकारी और रंगों से एक-दूसरे को भिगोते नजर आए। पूरा क्षेत्र रंग-बिरंगे गुलाल और पानी के रंगों से जीवंत हो उठा। इस दौरान रंग तेरस के पारंपरिक गीतों की गूंज ने माहौल को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया। महिलाओं और पुरुषों ने एक साथ नृत्य कर उत्सव की खुशी को दोगुना कर दिया। लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं देते रहे, जिससे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का सुंदर संदेश भी प्रसारित हुआ। गौरतलब है कि गुजराती समाज द्वारा रंग तेरस पर रंगोत्सव मनाने की यह परंपरा वर्षों पुरानी है, जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ निभाया जा रहा है। यह आयोजन एक बार फिर यह संदेश देता है कि त्योहार केवल खुशियां ही नहीं लाते, बल्कि समाज में एकता, प्रेम और संस्कृति की मजबूत डोर भी बांधते हैं।

13 वर्ष की बालिका ने रचा तप का इतिहासः नागदा की सुदिक्षा चपलोत का चल रहा वर्षीतप पुर्णता की और अग्रसर

डिजिटल दौर एव खेलने की उम्र में तप का उज्ज्वल उदाहरण– बालिका का वर्षीतप समाज के लिए प्रेरणा

नागदा/ सुनिल सकलेचा / अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज की चकाचौंध, खान-पान और डिजिटल दुनिया के दौर में जहां बच्चे अपना अधिकांश समय मनोरंजन और तकनीक में बिताते हैं, वहीं नागदा स्थानकवासी जैन समाज की एक बालिका ने तप और संयम का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

कम उम्र में महान तप का संकल्प- नागदा के मनीष- सेजल चपलोत परिवार की सुपुत्री सुदिक्षा चपलोत (लगभग 13 वर्ष) इन दिनों जैन धर्म के अत्यंत कठिन और महान तप वर्षीतप की साधना कर रही हैं। इतनी कम उम्र में इस प्रकार का कठिन तप करने का संकल्प लेना असाधारण आत्मबल और दृढ़ निश्चय का परिचायक माना जा रहा है। समाज के लोग इसे गर्व और प्रेरणा की दृष्टि से देख रहे हैं।

लगभग 396 दिनों तक चलने वाला कठिन तप- जैन धर्म में वर्षीतप को सबसे बड़ा और कठिन तप माना जाता है। यह तप लगभग 13 महीनों तक चलता है और करीब 396 दिनों में पूर्ण होता है। इस दौरान साधक एक दिन उपवास और एक दिन पारणा करता है। कई बार इसके बीच बेले-तेले जैसी अतिरिक्त कठोर तपस्याएं भी की जाती हैं, जो साधक के धैर्य और आत्मसंयम की परीक्षा लेती हैं।

मर्यादित आहार और कठोर अनुशासन- वर्षीतप के दौरान साधक सामान्य भोजन का सेवन नहीं करता, बल्कि अत्यंत मर्यादित और शुद्ध आहार ग्रहण करता है। कई बार इसमें केवल धोवन जल या उबला हुआ पानी ही लिया जाता है। इस प्रकार का तप न केवल शारीरिक सहनशक्ति, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आध्यात्मिक समर्पण की भी परीक्षा लेता है।

समाज में श्रद्धा और उत्साह का माहौल- नागदा स्थानक जैन समाज में इस तप को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। समाज के अनेक लोग समय-समय पर उपस्थित होकर बालिका का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। धार्मिक प्रवचन, सामूहिक प्रार्थना और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से पूरे समाज में सकारात्मक और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिल रहा है।

बचपन से जुड़े धार्मिक संस्कार- परिवार के सदस्यों के अनुसार सुदिक्षा बचपन से ही धार्मिक संस्कारों से जुड़ी रही हैं और उन्हें जैन धर्म की शिक्षाओं में विशेष रुचि रही है। परिवार और समाज के मार्गदर्शन में उन्होंने यह कठिन तप करने का संकल्प लिया और अब पूरी निष्ठा और दृढ़ता के साथ इसे पूर्ण करने की ओर अग्रसर हैं। पूर्व मे भी सुदिक्षा ने अठ्ठाई तप की तपस्या भी पुर्ण करी वही दुसरी और एक नजर मे देखा जाय तो चपलोत परिवार सदेव धर्म आराधाना के क्षेत्र मे अग्रणी रहता है

पहले भी बन चुका है प्रेरणादायक उदाहरण- उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019ङ्क20 में भी स्थानक समाज की बालिका तनीशा सकलेचा (वर्तमान में तनीशा नाहर) ने कम उम्र में वर्षीतप एव सिद्धि तप पूर्ण कर समाज में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया था। अब सुदिक्षा चपलोत उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समाज के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

चलते चलते - सकलेचा, गेलडा (हेदराबाद) एव नाहर परिवार ऐसे विरले तपस्वीयो के तप की बारम्बार अनुमोदना करते है ।

फायर सेफ्टी के बिना चल रहे सरकारी कार्यालय, हादसे का खतरा बरकरार

नगर परिषद में लगी आग की घटना ने खोली लापरवाही की पोल, अधिकांश दफ्तरों में नहीं अग्निशमन यंत्र

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शासकीय कार्यालयों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। अधिकांश सरकारी विभागों में अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) उपलब्ध नहीं हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में आग पर तत्काल काबू पाना मुश्किल हो सकता है। हाल ही में नगर परिषद कार्यालय में आग लगने की घटना के बाद यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो गया है। नगर परिषद के हॉल में अज्ञात कारणों के चलते अचानक आग लग गई थी। घटना के समय कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और अन्य लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया गया, लेकिन इस दौरान कार्यालय की कुछ महत्वपूर्ण फाइलों को नुकसान पहुंचने की भी जानकारी सामने आई।

यदि उस समय नगर परिषद कार्यालय में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध होता तो आग को शुरुआती चरण में ही नियंत्रित किया जा सकता था और नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था। इस घटना ने सरकारी कार्यालयों में फायर सेफ्टी की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नगर परिषद जैसे महत्वपूर्ण शासकीय कार्यालय में ही जब अग्निशमन यंत्र उपलब्ध नहीं हैं तो अन्य विभागों की स्थिति भी चिंताजनक नजर आ रही है। नगर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में जाकर देखने पर भी अधिकांश स्थानों पर अग्नि सुरक्षा से संबंधित कोई विशेष व्यवस्था नहीं दिखाई देती। कई कार्यालयों में न तो फायर एक्सटिंग्विशर लगे हुए हैं और न ही कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बचाव और नियंत्रण के लिए किसी प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया है।

जानकारी के अनुसार सुसनेर नगर में केवल सिविल अस्पताल में ही अग्निशमन यंत्र लगे हुए हैं और वहां समय-समय पर उनकी जांच भी की जाती है। इसके अलावा अन्य कई शासकीय कार्यालयों में इस तरह की कोई व्यवस्था दिखाई नहीं देती। जबकि सरकारी भवनों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में कर्मचारी और आम नागरिक विभिन्न कार्यों के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने की स्थिति में बड़ा हादसा होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

नगर के जागरूक नागरिकों का कहना है कि शासकीय भवनों में सुरक्षा मानकों का पालन किया जाना अत्यंत आवश्यक है। आग लगने की घटनाएं कभी भी और कहीं भी हो सकती हैं। इसलिए सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य रूप से अग्निशमन यंत्र लगाए जाने चाहिए और समय-समय पर उनकी जांच भी की जानी चाहिए। इसके साथ ही कर्मचारियों को फायर सेफ्टी से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में तुरंत और सही तरीके से कार्रवाई की जा सके। नगर परिषद में हुई आग की घटना के बाद अब लोगों की नजर प्रशासन पर टिकी हुई है। नागरिकों का कहना है कि जिम्मेदार विभागों को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी शासकीय कार्यालयों में आवश्यक अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना चाहिए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और सरकारी दस्तावेजों के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

इनका कहना- शासकीय कार्यालयों में फायर सेफ्टी की कमी एक गंभीर विषय है। सभी विभागों को निर्देशित किया जाएगा कि वे अनिवार्य रूप से अग्निशमन यंत्र स्थापित करें और उनकी नियमित जांच सुनिश्चित करें।

-किरण बरवड़े एसडीएम सुसनेर

पूरे रमजान रखे रोजे, पढ़ी पांचों वक्त की नमाज़, छोटी उम्र, बड़ा जज़्बा, हैदर बना इबादत की मिसाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद नगर में एक 8 साल के बच्चे ने अपने जज़्बे और इबादत से सभी को प्रेरित कर दिया। वार्ड क्रमांक 5 निवासी सैयद हैदर अली ने पूरे रमजान माह में सभी रोजे रखकर और पांचों वक्त की नमाज़ अदा कर एक अनोखी मिसाल पेश की है।

जानकारी के अनुसार, हैदर मरहूम सैयद मुस्तफा उस्ताद के पोते और सैयद अनवर उस्ताद के पुत्र हैं। आमतौर पर छोटी उम्र के बच्चे एक या दो रोजे ही रख पाते हैं, लेकिन हैदर ने पूरे महीने के रोजे रखने के साथ-साथ नियमित रूप से पांचों वक्त की नमाज़ और तरावीह भी अदा की।

हैदर के इस जज्बे और अनुशासन को देखकर परिवार और मोहल्ले के लोग बेहद प्रभावित हुए। सभी ने बच्चे को दुआओं से नवाजा और उसका इस्तकबाल कर हौसला बढ़ाया।

यह उदाहरण बताता है कि अगर नीयत मजबूत हो, तो उम्र नहींज हौसला मायने रखता है।

अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के पश्चात इंदौर में माननीय प्रांत संघचालकजी की प्रेस वार्ता

शताब्दी वर्ष में मालवा प्रांत के 100% गाँव-मोहल्लों और 90% घरों में पहुंचा संघ

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की वार्षिक बैठक हरियाणा में पानीपत के निकट समालखा में 13-15 मार्च को संपन्न हुई। बैठक में पूरे देशभर से 1438 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में अखिल भारतीय कार्यकारिणी, क्षेत्र और प्रांत टोली, कार्यविभागों के प्रांत और क्षेत्र प्रमुख, विभाग प्रचारक, विभागों से निर्वाचित प्रतिनिधि और विविध संगठनों के अखिल भारतीय स्तर के अध्यक्ष, सचिव एवं संगठन मंत्री सम्मिलित होते है।बैठक में संघ के कार्य विस्तार, कार्य दृढ़ीकरण के साथ ही संघ स्थापना के शताब्दी वर्ष में संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों में समाज का अपार स्नेह और समर्थन संघ को प्राप्त हुआ।

कार्यविस्तार- वर्तमान में देश के 924 जिलों के 6602 खंडों में से 6127 खंड शाखायुक्त है। इस वर्ष शाखायुक्त मंडलों की संख्या में 1535 की वृद्धि हुई, वर्तमान में 32,305 मंडल तथा 2523 नगर शाखायुक्त है। देशभर में कुल 55,683 स्थानों पर 40,800 विद्यार्थी और महाविद्यालयीन शाखा सहित कुल 88,949 शाखा है। कार्यकर्ताओं द्वारा 32,606 साप्ताहिक मिलन एवं 13,211 संघ मंडली संचालित की जा रही है। देशभर में 38,081 सेवाबस्तियों में से 9576 शाखायुक्त सेवाबस्तियाँ है। मालवा प्रांत में कुल 3,292 स्थानों पर 527 विद्यार्थी और महाविद्यालयीन शाखा सहित कुल 5,049 शाखा है। इस वर्ष प्रांत में 150 विद्यार्थी शाखाओं में वृद्धि हुई। प्रांत में 1961 साप्ताहिक मिलन चल रहे है। मालवा प्रांत में 672 सेवा कार्य युक्त एवं 299 शाखा युक्त सेवाबस्तियाँ है।

प्रशिक्षण वर्ग- इस सत्र में कुल 919 प्राथमिक वर्गों में 40,392 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। इसी प्रकार देशभर में कुल 105 संघ शिक्षावर्ग और कार्यकर्ता विकास वर्गों में 21,526 कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मालवा प्रांत में 25 प्राथमिक वर्गों में 1712 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए और 331 स्थानों से 551 कार्यकर्ता संघ शिक्षा वर्गों में सम्मिलित हुए।

गृह संपर्क- अधिकाधिक घरों तक संघ की सौ वर्षों की यात्रा, संघ कार्य का परिचय और पंचपरिवर्तन के विषय को पहुँचाने हेतु गृहसम्पर्क अभियान चलाया गया। अभी तक 37 प्रांतों के 3,89,465 ग्रामों और 31,143 बस्तियों के 10 करोड़ से अधिक घरों पर संपर्क हो चुका है। अभी 11 प्रांतों में गृह संपर्क चल रहा है। मालवा प्रांत में 1359 मंडलों और 969 बस्तियों में लगभग 82 हज़ार से अधिक कार्यकर्ताओं की टोलियों ने 32 लाख परिवारों में संपर्क किया। मालवा प्रांत के सभी 12246 गांवों और शत प्रतिशत मोहल्लों में कार्यकर्ता गृह संपर्क के लिए पहुंचे। गृह संपर्क में नगरीय क्षेत्रों में संघ की सौ वर्ष की यात्रा और समाज परिवर्तन में अपनी भूमिका से संबंधित पत्रक और पुस्तक तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भारत माता के चित्र और पत्रक का वितरण भी किया। सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबालेजी इंदौर में गृह संपर्क में सम्मिलित हुए।

विशेष संपर्क- देशभर में और मालवा प्रांत में विशेष संपर्क अभियान आगे भी जारी रहेगा। संघ से सहमत और असहमत दोनों तरह के महानुभावों से भेंट होगी। जिन विषयों पर वे सहमत होंगे, हम मिलकर काम करेंगे।

हिंदू सम्मेलन- हिंदू समाज की सांस्कृतिक एकता व संगठित शक्ति, धर्म जागरण और पंच परिवर्तन को आचरण में लाने के उद्देश्य से स्थानीय समाज की आयोजन समितियों के द्वारा 37 प्रांतों 37,048 मंडल और बस्तियों में आयोजित हिंदू सम्मेलनों में साढ़े तीन करोड़ लोग सम्मिलित हुए। मालवा प्रांत में हिंदू सम्मेलनों के पूर्व 3762 स्थानों पर प्रभात फेरियां प्रारंभ हुई, 2867 महिलाओं की बैठकों 8689 मोहल्ला बैठकों और 3129 कलश यात्रा, रामधुन और सुंदरकांड के आयोजन संपन्न हुए। मालवा प्रांत में 1355 मंडल और 940 बस्तियों में आयोजित हिंदू सम्मेलनों में 70 लाख से अधिक समाजजन सम्मिलित हुए। नागालैंड, मणिपुर, अंडमान-निकोबार तथा बस्तर जैसे चुनौतीपूर्ण स्थानों में भी हिंदू सम्मेलनों के कार्यक्रम संपन्न हुए।

सामाजिक सद्भाव बैठक- सामाजिक और धार्मिक नेतृत्व में सामंजस्य एवं परस्पर सहयोग, दुर्बल समूहों के अभाव के निराकरण के उद्देश्य से सामाजिक सद्भाव बैठकों आयोजन खंड एवम नगर स्तर पर किया गया। मालवा प्रांत में 181 सामाजिक सद्भाव बैठकों में 10,840 समाज प्रमुख सम्मिलित हुए। इन बैठकों में बड़ी संख्या में महिलायें भी सम्मिलित हुई। अगस्त माह में मालवा प्रांत के 111 समाजों के 284 समाज प्रमुखों से पूजनीय सरसंघचालकजी का संवाद हुआ।

प्रमुख जन गोष्ठी- संघकार्य, हिंदुत्व, वर्तमान परिस्थिति में अपनी भूमिका तथा पंच परिवर्तन आदि विषयों की वैचारिक स्पष्टता और दायित्व जागरण की दृष्टि से प्रमुख जन गोष्ठियों का आयोजन आगामी अप्रैल माह किया जावेगा। इसी क्रम में पूजनीय सरसंघचालकजी के दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु में व्याख्यानमाला और जिज्ञासा समाधान के कार्यक्रम संपन्न हुए। इन कार्यक्रमों में 40 से अधिक देशों के राजनयिकों सहित समाज की विभिन्न श्रेणियों के 4777 प्रभावी जन सम्मिलित हुए। इंदौर में नवंबर माह में प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित की गयी थी, जिसमे मालवा प्रांत के 800 से अधिक समाजजनों को सरकार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबाले का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मालवा प्रांत में आगामी अप्रैल माह में नगर एवं खण्ड स्तर पर 135 प्रमुख जन गोष्ठियां आयोजित की जावेंगी।

युवा कार्यक्रम- युवा पीढ़ी में राष्ट्र बोध, संगठन स्वभाव एवं समाज परिवर्तन के प्रयत्न की वृद्धि के उद्देश्य से युवा संगम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मालवा प्रांत में शताब्दी वर्ष में 311 परिसर व्याख्यान और 179 युवा संगम सहित अन्य युवा केंद्रित कार्यक्रमों में 1,88,144 युवाओं की सहभागिता रही। युवा आयाम ने इस वर्ष समर्थ राष्ट्र दौड़, युवा महोत्सव, युवा संसद, जिला युवा शिविर और यंग थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस और यंग एंटरप्रेन्योर फोरम के माध्यम से युवा नेतृत्व, युवा उद्यमी, अध्ययनशील युवाओं के बीच संघ और राष्ट्रीय विषयों पर विचार-विमर्श किया।

विजयादशमी उत्सव- अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में शताब्दी वर्ष में संपन्न कार्यक्रमों की संख्यात्मक और अनुभूति की दृष्टि से समीक्षा हुई। देशभर में संपन्न 62,555 उत्सवों में 32,45,141 स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में सम्मिलित हुए। मालवा प्रांत में 1489 विजयदशमी उत्सवों मे गणवेश में 4,05,075 स्वयंसेवक सम्मिलित हुए।

भौगोलिक रचना परिवर्तन- कार्यविस्तार के फलस्वरूप कार्य संचालन और निर्णय प्रक्रिया के विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से संघ की भौगोलिक रचना में कुछ परिवर्तन किए गए है। नई भौगोलिक रचना में देश में नौ क्षेत्र और 85 संभाग होंगे। वर्तमान प्रांत व्यवस्था के स्थान मार्च 2027 से संभाग रचना कार्यरूप में प्रभावी होगी। मार्च 2027 तक वर्तमान प्रांत व्यवस्था यथावत कार्य करती रहेगी। संभाग और क्षेत्र रचना के बीच विविध आवश्यक सामाजिक विषयों और समस्या के चिंतन, योजना और कार्यान्वयन हेतु प्रदेश कार्यसमिति रहेगी। वर्तमान मालवा प्रांत के स्थान पर मार्च 2027 से दो संभाग उज्जैन और इंदौर संभाग की रचना रहेगी। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का अधिवेशन अब से प्रति तीन वर्ष में एक बार आयोजित किया जावेगा।

संत शिरोमणि सद्गुरु श्री रविदासजी के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर सरकार्यवाहजी का वक्तव्य - प्रतिनिधि सभा में संत शिरोमणि रविदासजी महाराज जी के प्राकट्य के 650 वें वर्ष में माननीय सरकार्यवाह जी ने वक्तव्य जारी किया। वक्तव्य में संघ की ओर से संत शिरोमणि सद्गुरु रविदासजी को श्रद्धासुमन अर्पित कराते हुए भक्ति जागरण, सात्विक आचरण, सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव उन्मूलन तथा समरस समाज के

दृढ़ीकरण में उनके कृतित्व का स्मरण किया गया है। संघ ने श्री रविदासजी के जीवन संदेश के मर्म को समझ कर, देश की एकता और समरसता के कार्य के संकल्प का आह्वान किया है।

स्वयंसेवकों द्वारा समाज परिवर्तन के सकारात्मक प्रयास - पंजाब में पिछले तीन वर्ष से नशा मुक्ति के लिये एक लाख से अधिक विद्यालय और महाविद्यालयों में नशा-मुक्ति का संकल्प कराया गया। धार्मिक नेतृत्व, साधु-संतों, कथावाचकों और डेरा प्रमुखों के साथ मिलकर व्यक्तिगत और सामाजिक समस्या नशे के विरुद्ध जनजागरण चल रहा है।

कर्नाटक में हिंदू जागरण मंच द्वारा नशा मुक्ति के लिये 23 जिलों में 281 स्थानों पर रथयात्रा निकाली गयी। लड़कियों में नशे के विरुद्ध चेतना जागृत करने के उद्देश्य से मणिकर्णिका दौड़ का आयोजन किया गया। बजरंग दल ने नशा मुक्ति के लिये खिलाड़ियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और नारकोटिक्स अधिकारियों और संतों के मिलकर 5600 से अधिक जनजागरण के कार्यक्रम किये।

केरल में महामाघ महोत्सव, तमिलनाडु में कार्तिकदीपम और त्रिपुरा में जनजातीय समुदाय में जन्माष्टमी रथयात्रा द्वारा समाज में धार्मिक चेतना जागरण के कार्य में भी स्वयंसेवक लगे है। उत्तराखंड में परंपरागत कार्य करने वाले एवं श्रमजीवी कार्य करने वाली जातियों जैसे ढोल-सागर बजाने वाले, औषधियों की पहचान करने वाले, डोली-उपासक, मंत्रोपासक आदि का सम्मान एवं सम्मेलन द्वारा परंपरागत कौशल के सरंक्षण के अभिनव प्रयास किये जा रहे है। देशभर में इस वर्ष सवा लाख कुटुंब मित्र तथा लगभग ढाई लाख हरित घर बनाये गये। जनजाति क्षेत्र, नशा मुक्ति, शैक्षिक परिसर, घुमंतू जातियों, उद्योग, शिक्षा आदि क्षेत्रों में स्वयंसेवकों और विविध संगठनों द्वारा सकारात्मक और परिश्रमपूर्ण कार्य किए जा रहे है।

प्रतिनिधि सभा में मणिपुर की स्थिति में तेजी से होते सुधार, नक्सलवाद से मुक्त होते बस्तर के साथ ही पड़ोसी देशों नेपाल और बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर भी चर्चा हुई। श्री गुरुतेग बहादुरजी के बलिदान के 350 वें वर्ष में पूरे देश में स्वयंसेवकों ने दो हज़ार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किये, जिनमें सात लाख से अधिक लोग सम्मिलित हुए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के समक्ष विभिन्न प्रांतों में संगठन एवं समाज परिवर्तन की दृष्टि से किए गए सफल और अनुपम प्रयोगों तथा समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय 38 संगठनों के विशेष कार्यों का वृत्त निवेदन भी हुआ।

कार्यकारी मंडल बैठक- इस वर्ष की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक आगामी अक्टूबर-नवंबर माह में इंदौर में होगी। इस बैठक में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सहित देश के सभी प्रांतों से 450 कार्यकर्ता आयेंगे।

प्रस्फुटन शक्ति संचय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड थांदला द्वारा चयनित ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का क्षमतावर्धन प्रस्फुटन शक्ति संचय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्राम पंचायत काकनवानी में किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर विकास कार्यो को मजबूत करना तथा समितियों को सशक्त बनाना।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संभाग समन्वयक इंदौर श्री अमित शाह, सामाजिक कार्यकर्ता सरपंच प्रतिनिधि श्री बाबू निनामा, जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती वर्षा डोडियार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। संभाग समन्वयक श्री अमित शाह ने कहा कि प्रस्फुटन समितियों के प्रशिक्षण से निश्चित ही आपके कार्य में दक्षता आएगी। शासन की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से किया जा रहा है। अपने अपने ग्राम को आदर्श बनाने की दिशा में कार्य करे ।

सरपंच प्रतिनिधि ने अपने उद्बोधन में कहा कि गांव के विकास से ही देश का विकास संभव है।उन्होंने ग्राम विकास के नौ महत्वपूर्ण मंत्र बताते हुए ग्रामीणों को छोटे-छोटे प्रयासों से गांव को आदर्श बनाने का आह्वान किया। जिला समन्वयक प्रेमसिंह चौहान ने प्रशिक्षण का महत्व बताया जन अभियान परिषद प्रदेश भर में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्राम विकास की नई चेतना जगाने का कार्य कर रही है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्फुटन समितियों को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। मेंटर श्री गंगाराम निनामा, श्री राकेश चरपोटा, विनीता मनसारे ग्राम विकास की अवधारणा को विस्तार पूर्वक बताया साथ में स्वैच्छिक संगठनों का गठन एवं प्रबंधन तथा प्रस्फुटन समितियों के दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। सीएम सोशल इंटर्नशिप से श्री अमरसिंह कटारा ने ग्राम स्तर तक पहुंचाने की जानकारी दी।

इस प्रशिक्षण में प्रस्फुटन समिति काकनवानी छापरी देवका वठठा मोरझरी कुल पांच समितियों से सचिव, अध्यक्ष व नवांकुर सखी से महिला सदस्य उपस्थित रहे।

उपस्थित सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री गंगाराम निनामा मेंटर्स द्वारा किया आभार विकासखंड समन्वयक वर्षा डोडियार ने माना ।

भीषण आग से आसमान धुएं के गुबार से ढका, टेंट हाउस का गोदाम जलकर खाक, इलाके में मची अफरा-तफरी

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जामुनिया रोड स्थित एक निजी टेंट हाउस के गोदाम में मंगलवार शाम लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। आग इतनी भयावह थी कि कुछ ही देर में आसमान काले धुएं के घने गुबार से ढक गया। दूर-दूर तक उठते धुएं के बादल देख आसपास के रहवासियों में दहशत फैल गई और लोग अपने घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाम करीब 5 बजे गोदाम व उससे सटे मकान में अचानक आग भड़क उठी। शुरुआती समय में आग छोटी थी, लेकिन गोदाम में बड़ी मात्रा में रखे टेंट के कपड़े, सजावटी सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया। कुछ ही मिनटों में आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और घना काला धुआं आसमान में छा गया, जिससे पूरे क्षेत्र में धुंध जैसा माहौल बन गया।

आग की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आया। थाना प्रभारी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा और क्षेत्र को सुरक्षित किया गया। वहीं नगर पालिका की दमकल टीम भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए लंबे समय तक पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। आग को फैलने से रोकने के लिए आसपास के मकानों को भी सतर्कता के साथ सुरक्षित किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग के दौरान कई बार तेज लपटों के साथ धुएं का गुबार तेजी से ऊपर उठ रहा था, जिससे स्थिति और भयावह हो गई थी। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए थे, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, दमकल की तत्परता से बड़ी जनहानि टल गई, लेकिन गोदाम में रखा अधिकांश सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

18 साल का भरोसा टूटा- मुनीम ने मालिक को लगा दिया धीरे? धीरे लाखों का चूना, CCTV में कैद हुआ 'अंदरूनी खेल', पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जावद कस्बे में एक ज्वेलरी व्यापारी के साथ बड़ा विश्वासघात सामने आया है। एमएल ज्वैलर्स के संचालक राजेश सोनी ने जिस कर्मचारी पंकज कुमार बिकानेरिया पर करीब 18 साल तक पूरा भरोसा किया, वही कर्मचारी धीरे-धीरे दुकान से सोना-चांदी के जेवर और नकदी पार करता रहा।

जानकारी के मुताबिक, पंकज लंबे समय से दुकान का पूरा काम संभाल रहा था—चाबी रखना, ग्राहकों को गहने दिखाना, तौलना और कैश का हिसाब तक उसी के जिम्मे था। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए उसने चोरी का खेल शुरू किया। शुरुआत में किसी को भनक नहीं लगी, लेकिन जब दुकान के स्टॉक और नकदी में गड़बड़ी सामने आने लगी तो व्यापारी को शक हुआ।

इसके बाद पुराने CCTV फुटेज और 2021-22 के डीवीआर की रिकॉर्डिंग खंगाली गई, जिसमें पंकज की संदिग्ध हरकतें सामने आईं। वह मौके का फायदा उठाकर जेवर और नकदी निकालता नजर आया। जब पूरा हिसाब-किताब मिलाया गया तो करीब 10 लाख रुपए की हेराफेरी सामने आई।

मामले में एक और चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब आरोपी ने नौकरी छोड़ने के बाद पास में ही अपनी नई ज्वेलरी दुकान खोल ली। एक मामूली वेतन पर काम करने वाले कर्मचारी द्वारा अचानक दुकान खोलना व्यापारी के शक को और पुख्ता कर गया।

बताया जा रहा है कि मामले को पहले समाज स्तर पर सुलझाने की कोशिश भी की गई। बैठक में आरोपी और उसके पिता ने रकम लौटाने का भरोसा दिया, लेकिन समय बीतने के बाद भी ना पैसा लौटा और ना ही जेवर।

आखिरकार पीड़ित व्यापारी राजेश सोनी ने जावद थाने में शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 381 में मामला दर्ज कर जांच शुरू की हैं। वही जानकारी यह भी सामने आई हैं कि सोमवार शाम को आरोपी की गिरफ्तारी हो गई हैं। पुलिस अब CCTV फुटेज और पुराने बही-खातों की जांच कर रही है, ताकि हेराफेरी की पूरी रकम और सच्चाई सामने आ सके।

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर गुड़ी पड़वा से रामनवमी तक प्रतिदिन विशाल औषधीय युक्त नीम-रस वितरण

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम संवत, हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर की सत्याग्रह सामाजिक एवं क्षेत्र की सांस्कृतिक संस्था आलोट द्वारा गुड़ी पड़वा दिनांक 19 मार्च 2026 गुरुवार से 27 मार्च 2026 शुक्रवार रामनवमी तक प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से प्रातः 9 बजे तक स्थान-पुरानी तहसील परिसर आलोट पर नीम रस का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष धिरेन्द्र सिंह निगम,वैध डॉ संतोष निगम,ने दी एवं संस्था के सदस्य विनय निगम,रमेश पोरवाल,योगेश निगम,कुशाल राव जाधव,रवि निगम,भुपेंद्र निगम,मोहन गुप्ता,नवीन उपाध्याय,धिरज राव,महेश परिहार,लखन दास बैरागी आदी ने आप सभी नीम प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर होने वाले विशाल नीम-रस वितरण का लाभ लेने की अपील की है।।

राजस्थान के कोटा में समग्र बघेरवाल सामाजिक संस्था के केंद्रीय चुनाव संपन्नः सुरेश हरसौरा निर्विरोध केंद्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समग्र बघेरवाल सामाजिक संस्था की संवैधानिक प्रक्रिया और लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्वहन करते हुए मंगलवार को स्थानीय पंडित आशाधर भवन, कोटा में संस्था के केंद्रीय पदाधिकारियों का निर्वाचन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। संस्था के संविधान के अनुसार, प्रत्येक तीन वर्ष में होने वाले इस निर्वाचन में एक व्यक्ति, एक कार्यकाल की गरिमा को बनाए रखते हुए नए नेतृत्व का चयन किया गया। वर्तमान पदाधिकारी द्वितीय कार्यकाल के लिए प्रत्याशी नहीं बन सकते थे, जिससे समाज में नए नेतृत्व को अवसर प्राप्त हुआ। निर्वाचित पदाधिकारी, केंद्रीय अध्यक्ष- श्री सुरेश हरसौरा, सचिव (मंत्री) नरेंद्र कुमार जैन पत्रकार बिजौलिया, कोषाध्यक्ष- श्री महावीर कुमार जी धानोत्या बूंदी का गोठड़ा, शपथ और संकल्प- नवनियुक्त अध्यक्ष श्री सुरेश हरसौरा ने निर्वाचन के पश्चात समाज को संबोधित करते हुए कहा कि वे संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करते हुए समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती के लिए समर्पित रहेंगे।

जावद में तकनीकी क्रांति- सरकारी स्कूल के बच्चे बने 'टेक-स्मार्ट', AI से रच रहे नया इतिहास, आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ाये कदम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमतौर पर जब सरकारी स्कूलों का जिक्र होता है, तो जेहन में सुविधाओं के अभाव और पिछड़ेपन की तस्वीर उभरती है। लेकिन जावद विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में एक खामोश और सशक्त तकनीकी क्रांति जन्म ले रही है। कल तक जिन बच्चों के हाथ कंप्यूटर का माउस पकड़ने में कांपते थे, आज वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ), मशीन लर्निंग और वीडियो एडिटिंग जैसे अत्याधुनिक टूल्स पर फर्राटे से काम कर रहे हैं।

जावद क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में स्थानीय विधायक ओमप्रकाश सखलेचा की दूरगामी सोच के परिणामस्वरूप चल रहे 'डीप आईटी (ष्ठद्गद्गश्च ढ्ढञ्) कोर्स' ने इन ग्रामीण प्रतिभाओं को वो पंख दिए हैं, जिससे वे अब सीधे आसमान छू रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि बच्चे सिर्फ तकनीक सीख ही नहीं रहे हैं, बल्कि 'लर्न एंड अर्न' (सीखो और कमाओ) की तर्ज पर लाइव प्रोजेक्ट्स पर काम करके आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।

मशीन लर्निंग और वीडियो एडिटिंग से कर रहे कमाई

ह कोर्स महज किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। जावद विधानसभा क्षेत्र के 11 शासकीय और सांदीपनि विद्यालयों (जिनमें जावद, अठाना, जाट, सरौंदा, सिंगोली, कोज्या, खोर और डीकेन शामिल हैं) के आंकड़े बेहद उत्साहवर्धक हैं। इन स्कूलों के छात्रों को कुल 28 प्रोजेक्ट्स आवंटित किए गए हैं, जिनके तहत उन्हें 336 तकनीकी फाइलें तैयार करनी हैं। इसमें सबसे अधिक 10 प्रोजेक्ट (120 फाइलें) सांदीपनि गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, सिंगोली के छात्रों को मिले हैं। बच्चे 'बेसिक्स ऑफ मशीन लर्निंग', 'विंडोज 11' और 'वीडियो एडिटिंग' जैसे एडवांस प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं और इसके जरिए अब तक 14,000 रुपये की कमाई कर चुके हैं। एक ही वीडियो एडिटिंग प्रोजेक्ट से अधिकतम 5,000 रुपये तक कमाए गए हैं। यह उड़ान साबित करती है कि यदि अवसर मिले, तो सरकारी स्कूल के बच्चे किसी भी बड़े निजी स्कूल के छात्रों को पीछे छोड़ सकते हैं।

पहले माउस पकड़ने से डरते थे, आज किसानों के लिए प्रोजेक्ट बना रहे - इस मार्मिक और प्रेरणादायी यात्रा को इन होनहार छात्रों ने अपने ही शब्दों में कुछ इस तरह बयां किया, एकीकृत हाई स्कूल, तारापुर के छात्र प्रद्युम्न ने बताया कि पहले मुझे कंप्यूटर का माउस पकड़ने में भी डर लगता था। लेकिन अब मेरे अंदर गजब का आत्मविश्वास आ गया है। मैंने टाइपिंग, माइक्रोसॉफ्ट से लेकर चैटजीपीटी, कैनवा और भाषिणी जैसे एआई टूल्स सीखे हैं। मैंने चैटजीपीटी की मदद से किसानों की भलाई के लिए एक पूरा प्रोजेक्ट तैयार किया है। आज मैं खुद अपना रेज़्यूमे और कवर लेटर बना सकता हूँ।÷

साइबर ठगी से बचाने के लिए एआई से बनाए पोस्टर- एकीकृत हाई स्कूल, तारापुर की 10वीं छात्रा नंदिनी ने कहा कि आजकल ऑनलाइन धोखाधड़ी बहुत बढ़ गई है। मैंने चैटजीपीटी से ऑनलाइन सुरक्षा के 8 सबसे अहम नियम पूछे। उसने मुझे बहुत अच्छी तरह समझाया। फिर मैंने कैनवा ऐप का उपयोग करके उन नियमों का एक आकर्षक पोस्टर बनाया और उसे अपने परिवार, दोस्तों और स्कूल के ग्रुप में शेयर किया ताकि कोई भी ठगी का शिकार न हो।

अपने गाँव और स्कूल की कविता को एआई से मधुर गीत में बदला- एकीकृत हाई स्कूल, तारापुर की 10वीं छात्रा गुनगुन गंगवाल ने बताया कि मैंने चैटजीपीटी में अपने गाँव, स्कूल और यहाँ की छोटी-छोटी जानकारियाँ डालीं और एक कविता बनाने को कहा। जब कविता बन गई, तो मैंने 'सुनो एआई' (स्ह्वठ्ठश्र ढ्ढ) ऐप में जाकर उसे एक महिला की आवाज़ में एक बेहद खूबसूरत गाने में बदल दिया। जब मैंने वह गाना सबको सुनाया, तो सब हैरान रह गए।

रास्ते में कचरा देखा, तो एआई से बना डाला स्वच्छता पर गाना- शासकीय हाई स्कूल, बराड़ा के 9वीं के छात्र, सुरेश ने अनुभव बताते हुए कहा कि मैं जब भी आता-जाता था, तो रास्ते में कूड़ा-कचरा देखकर सोचता था कि लोग जागरूक क्यों नहीं हैं। मैंने चैटजीपीटी को प्रॉम्प्ट दिया और उसने मुझे स्वच्छता पर बहुत अच्छे लिरिक्स लिखकर दिए। फिर मैंने उसे सुनो एआई में डालकर एक बेहतरीन गाना तैयार किया। मुझे लगता है कि इस गाने से लोग स्वच्छता के प्रति जरूर जागरूक होंगे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

रात में सड़कों पर उतरे कलेक्टर... चौड़ीकरण कार्य की हकीकत जानी

काम की रफ्तार बढ़ाने के निर्देश, मजदूरों की सुरक्षा पर खास जोर — 32 करोड़ की लागत से बन रहा 18 मीटर चौड़ा मार्ग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चल रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्यों की हकीकत जानने के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सोमवार रात खुद सड़कों पर उतरे। उन्होंने नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के साथ विभिन्न निर्माण स्थलों का औचक निरीक्षण किया और काम की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गेल इंडिया से शांति नगर होते हुए नीलगंगा पेशवाई तक बनाए जा रहे मार्ग का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन महीनों में अतिक्रमण हटाने, ड्रेनेज निर्माण, खुदाई, सबग्रेड तैयार करने और पाइपलाइन डालने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जा चुके हैं। फिलहाल मंदिर शिफ्टिंग, बिजली पोल हटाने और सड़क किनारे पेड़ों के ट्रांसप्लांट का काम जारी है।

यह मार्ग करीब 2.7 किलोमीटर लंबा है, जिसे 18 मीटर चौड़ा बनाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 32 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद साइट इंजीनियर और पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्य स्थल पर रहकर काम की निगरानी करें, ताकि निर्माण कार्य व्यवस्थित और समय पर पूरा हो सके। कलेक्टर ने साफ कहा कि काम की गति बढ़ाने के लिए मजदूरों की संख्या और मशीनरी बढ़ाई जाए। साथ ही निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। इसके बाद कलेक्टर ने दो तालाब से इंदौर रोड तक बनाए जा रहे मार्ग का भी निरीक्षण किया और वहां चल रहे कार्यों की स्थिति जानी।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के इंजीनियर और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर के इस औचक निरीक्षण से साफ संकेत है कि शहर के विकास कार्यों में अब लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे कराने पर प्रशासन का पूरा फोकस है।

छात्रा ने 6 माह बाद दर्ज कराई दुष्कर्म की शिकायत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जयपुर में अध्ययन करने वाली मंदसौर की युवती के साथ उज्जैन की होटल में हुए शोषण का मामला सामने आया है। घटना 5 माह पहले की है, पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपित युवक की तलाश शुरू की है।

बताया जा रहा है कि मंदसौर की रहने वाली युवती जयपुर में अध्ययन करती है। वर्ष 2025 में उसकी जयपुर रेलवे स्टेशन पर सवाई माधोपुर के रहने वाले युवक से पहचान हुई थी। दोनों ने एक-दूसरे के मोबाइल नम्बर लिये और बातचीत के दौरान मामला प्रेम प्रसंग में बदल गया। सितम्बर माह में दोनों उज्जैन आये और देवासगेट क्षेत्र की होटल में ठहरे। इस दौरान युवक ने युवती को अपनी मंगेतर बताया। होटल में साथ रहने के दौरान युवक ने शोषण किया। वापस जयपुर लौटने पर युवक ने बातचीत बंद कर दी। युवती ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि उसका प्रेम पहले से शादीशुदा है। अपने साथ गलत होने पर पांच माह बाद युवती ने उज्जैन आकर देवासगेट थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी अनिला पाराशर ने बताया कि मामला महिला संबंधित अपराध से जुड़ा होने पर युवक के खिलाफ गलत काम करने का प्रकरण दर्ज किया गया है। युवक की तलाश में पुलिस टीम सवाई माधोपुर भेजी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. गुरकीरत के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आवश्यक हरसंभव सहायता के लिये किया आश्वस्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन प्रवास के दौरान उज्जैन निवासी स्व. गुरकीरत मनोचा के निवास पहुंचकर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. मनोचा के परिजनों से चर्चा कर कनाडा में हुई असामयिक दुःखद मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के होनहार छात्र की मृत्यु से उनका हृदय व्यथित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने परिजनों को स्व. गुरकीरत के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में पूर्ण रूप से सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

मध्य प्रदेश में एक ही दिन में ऑल-न्यू टाटा सिएरा की 100 से अधिक यूनिट्स की डिलीवरी की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिएरा को देशभर में 1,00,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं, जो इस मॉडल की मजबूत मांग और इसकी स्थायी लोकप्रियता को दर्शाती हैं। यह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया सिएरा की प्रतिष्ठित पहचान और प्रीमियम मिड-स्कू के रूप में ग्राहकों के दिलों और दिमाग में उसकी खास जगह को रेखांकित करती है।

यह महत्वपूर्ण आयोजन उज्जैन में आयोजित किया गया, जहां सांघी ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड (इंदौर और उज्जैन), श्याम ऑटोमोटिव (इंदौर और धार), वरेण्याम मोटर कार (भोपाल), सुगंध ऑटोमोबाइल्स (उज्जैन, रतलाम और नीमच), एम एस सेठ एंड सन्स (गुना), फ्रंटियर मोटोकॉर्प (जबलपुर), आनंद मोटोरन प्राइवेट लिमिटेड (सागर और छतरपुर), और सुनील ऑटोमोटिव्स (छिंदवाड़ा) ने ग्राहकों के साथ मिलकर इस मौके का जश्न मनाया। यह आयोजन इस प्रतिष्ठित SUV की शुरुआती बड़े पैमाने की ग्राहक डिलीवरी में से एक रहा।

श्री श्री हरि गुरु चांद मतुआ का 215 वां जन्मोत्सव सेवाश्रम पर मनाया गया जल्द शुरू होगा मंदिर का निर्माण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सदावल रोड स्थित श्री श्री हरि गुरु चांद मतुआ सेवाश्रम पर मंगलवार को देशभर से उज्जैन आए हज़ारों बंगाली समाज परिवारों ने अपने आराध्य देव पूर्ण ब्रह्म श्री श्री हरिचांद ठाकुर जी का 215 वा जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया और पूरे समाज ने बैंड बाजों के साथ एक विशाल शोभा यात्रा निकलकर रामघाट पर माँ शिप्रा की पूजन अर्चना की ।

उज्जैन नागदा मार्ग पर भीषण दुर्घटना तीन की मौत एक घायल

कार से जा रहे थे संवरिया जी, आयशर से हुई टक्कर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार सुबह उज्जैन नागदा मार्ग पर भीषण दुर्घटना हो गई। कार में चार दोस्त सवार थे। 2 की मौके पर मौत हो गई तीसरे ने उपचार के दौरान कुछ घंटे बाद दम तोड़ दिया। चौथे घायल की हालत भी नाजुक बताई जा रही है। चारों सांवरिया जी दर्शन करने के लिए जा रहे थे।

भेरूगढ़ थाना पुलिस ने बताया कि सुबह 11:00 बजे के लगभग ग्राम गोयला में टोल टैक्स के आगे कार और आयशर के बीच आमने-सामने टक्कर हो गई थी। दुर्घटना में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, आयशर का अगला हिस्सा भी पूरी तरह से डेमेज हो गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कार में चार लोग सवार थे जिन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां सामने आया कि दो की मौत हो चुकी है दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें निजी अस्पताल भेजा गया। जानकारी प्राप्त करने पर मृतकों के नाम देवेंद्र पिता चिंतामण जोशी और कैलाश उर्फ रिंकू पिता बंसीलाल शर्मा निवासी अब्दालपुरा होना सामने आए। घायलों में प्रवेश शर्मा निवासी इंदिरा नगर और सुरेश नवलानी सिंधी कॉलोनी शामिल थे। परिजनों ने बताया कि चारों दोस्त थे और सांवरिया जी दर्शन करने जा रहे थे। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद आयशर का चालक मौके से भाग निकला था। दोपहर में दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराया गया, इस दौरान शाम को खबर सामने आई थी घायलों में शामिल सुरेश नवलानी की भी मौत हो गई है। देर शाम सुरेश की बॉडी निजी अस्पताल से पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल लाई गई। पुलिस के अनुसार सुरेश का पोस्टमार्टम बुधवार सुबह कराया जाएगा फिलहाल मामले में तीन लोगों की मौत होने पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है आयशर में लहसुन भरी हुई है, जिसके नंबर से चालक की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतकों में शामिल कैलाश शर्मा भाजपा से जुड़े हुए थे वहीं सुरेश प्रॉपर्टी का काम करते थे। दुर्घटना में हुई तीन लोगों की मौत के बाद परिवार और रिश्तेदारों में माहौल गमगीन हो गया था पोस्टमार्टम के दौरान सैकड़ो की संख्या में लोग अस्पताल पहुंचे थे।

एक दिन में 2469 वाहन बिके, वाहन मेला 29 मार्च तक बढ़ा

टैक्स में 50 प्रतिशत छूट का असर, शुरुआत में रही धीमी अब खरीदारी ने पकड़ी रफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में चल रहे विक्रम व्यापार वाहन मेले ने अब रफ्तार पकड़ ली है। पहले फीकी शुरुआत के बाद अब मेले में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिल रही है। प्रशासन ने लोगों को अधिक लाभ देने के उद्देश्य से मेले की अवधि बढ़ाकर 29 मार्च कर दी है, जो पहले 19 मार्च तक निर्धारित थी।

सोमवार को मेले में रिकॉर्ड स्तर पर वाहन बिके। एक ही दिन में 2073 फोर व्हीलर, 330 टू-व्हीलर और 66 अन्य लोडिंग वाहनों सहित कुल 2469 वाहनों की बिक्री हुई। इससे पहले 15 मार्च तक मेले में कुल 18,331 वाहन ही बिक पाए थे, जिससे साफ है कि अब खरीदारी में अचानक उछाल आया है। इस बार मेले की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। एनआईसी पोर्टल पर टैक्स छूट का विकल्प समय पर नहीं खुलने से ग्राहक खरीदारी से पीछे हट रहे थे। लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और परिवहन विभाग के प्रयासों से तकनीकी समस्या दूर हुई और 21 फरवरी से टैक्स में छूट मिलना शुरू हो गई। इसी बीच मौसम ने भी मेले की रफ्तार को प्रभावित किया। मावठे के कारण मेला परिसर में कीचड़ हो गया, जिससे कई दिनों तक ग्राहकों की आवाजाही कम रही। हालांकि जैसे ही मौसम साफ हुआ और छूट का लाभ मिलने लगा, वैसे ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी।मेले का सबसे बड़ा आकर्षण वाहनों पर मिल रही 50 फीसदी टैक्स छूट है। इस छूट का लाभ मोटरसाइकिल, स्कूटर, कार, ओमनी बस और हल्के लोडिंग वाहनों की खरीद पर मिल रहा है। यही वजह है कि अब बड़ी संख्या में लोग मेले का रुख कर रहे हैं। वाहनों की भारी बिक्री का असर आरटीओ कैंप पर भी साफ नजर आया। सत्यापन के लिए सुबह से लेकर शाम तक लंबी कतारें लगी रहीं और कई लोगों को जांच में 2 से 3 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। आरटीओ स्टाफ भी लगातार मुस्तैदी से काम में जुटा रहा।

आरटीओ अधिकारी संतोष मालवीय के अनुसार, अधिक से अधिक लोगों को टैक्स छूट का लाभ दिलाने के लिए मेले की अवधि 10 दिन बढ़ाई गई है। अब 29 मार्च तक वाहन खरीदने पर 50 फीसदी टैक्स छूट का लाभ मिलेगा, लेकिन इसके लिए आरटीओ कैंप में वाहन का सत्यापन अनिवार्य होगा।

दीक्षांत के बाद जिम्मेदार नागरिक बनें, देश-समाज के विकास में दें योगदान : राज्यपाल पटेल

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में 74 को उपाधि, 107 को गोल्ड मेडल, एक को डी-लिट्

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा पूरी करने के बाद समाज और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं और एक जिम्मेदार नागरिक बनें। समारोह मंगलवार को स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मुख्य उपस्थिति में आयोजित हुआ।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के उत्थान में योगदान देना है। विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और गुरुजनों के प्रति कृतज्ञ रहकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उज्जैन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां आकर एक अलग अनुभूति होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन प्राचीन काल से ज्ञान, विज्ञान और ध्यान का वैश्विक केंद्र रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी यहां शिक्षा प्राप्त की थी और सम्राट विक्रमादित्य की कर्मभूमि होने से इस विश्वविद्यालय का गौरव और बढ़ जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह अंत नहीं, बल्कि जीवन में सीखने की नई शुरुआत है।

समारोह में कुल 74 विद्यार्थियों को उपाधि, 107 को गोल्ड मेडल और एक शोधार्थी को डी-लिट् की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ही कई शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्रियां भी दी गईं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय को 51 लाख रुपए की सहायता, कृषि अध्ययनशाला के लिए पांच ड्रोन और विद्यार्थियों के लिए एक बस देने की घोषणा भी की। साथ ही 17 करोड़ रुपए की लागत से बने नए कृषि अध्ययनशाला भवन और भर्तृहरि छात्रावास का लोकार्पण किया गया। समारोह की शुरुआत अकादमिक शोभायात्रा और दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों ने सम्राट विक्रमादित्य की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

समारोह के अंत में विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई कि वे समाज और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे।

रेडक्रॉस सोसायटी ने 102 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया

महिला दिवस के अवसर पर निशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेडक्रॉस सोसाइटी जिला उज्जैन शाखा एवं सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय ऋषिनगर उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर निशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में लगभग 102 महिलाओं एवं 22 पुरुषों का निशुल्क परीक्षण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष श्री राजेंद्र झालानी, सचिव श्री अनुराग जैन एवं सरस्वती शिशु मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्त एवं शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. एकता इंगले विशेष रूप से उपस्थित थे।

अतिथियों का स्वागत प्राचार्य श्री भगवान सिंह ठाकुर, प्रधानाचार्य श्री राधेश्याम शर्मा एवं हर्षवती शर्मा द्वारा किया गया।

अध्यक्ष श्री राजेंद्र झालानी ने रेडक्रॉस की गतिविधियों एवं सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए समाज में महिला की भूमिका को प्रदर्शित किया। सचिव श्री अनुराग जैन ने रेडक्रॉस सेवा कार्यों को प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का आभार प्राचार्य डॉ. एकता इंगले ने माना। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पवित्रा शाह ने किया।

विशेष रूप से रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा उज्जैन द्वारा महाविद्यालय की कर्मचारी श्रीमती बबीता सांगते का सम्मान किया गया। साथ ही जिला चिकित्सालय उज्जैन के समस्त डॉक्टर व पैथोलॉजी टीम का भी दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

उज्जैन में बनेगे वॉल्वो-आयशर के बस और ट्रक, 580 करोड़ से लगेगा नया प्लांट

विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 में 70 एकड़ जमीन आवंटित, 1000 युवाओं को मिलेगा सीधा रोजगार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन अब तेजी से औद्योगिक पहचान भी बना रही है। स्वीडन की विश्वस्तरीय ऑटोमोबाइल कंपनी वॉल्वो ग्रुप और भारत की आयशर मोटर्स के संयुक्त उद्यम वीई कमर्शियल व्हीकल्स (वीईसीवी) ने शहर में एक और बड़ा निवेश करने की तैयारी की है। कंपनी को विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 में करीब 70 एकड़ जमीन आवंटित की गई है, जहां लगभग 580 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की जाएगी।

एमपीआईडीसी के संचालक राजेश राठौड़ ने बताया कि इस नई यूनिट में गियर, एक्सल असेंबली, ट्रांसमिशन सहित कई महत्वपूर्ण ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स तैयार किए जाएंगे। कंपनी का उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना और देश में तेजी से बढ़ रही कमर्शियल वाहनों की मांग को पूरा करना है। उद्योग शुरू होने के बाद यहां से आयशर और वॉल्वो ब्रांड के बस और ट्रकों से जुड़े कई महत्वपूर्ण पुर्जे तैयार होंगे।

हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार- श्री राठौड़ के मुताबिक इस परियोजना से लगभग 1000 युवाओं को सीधे रोजगार मिलने का अनुमान है। वहीं ट्रांसपोर्ट, ऑटो पार्ट्स सप्लाई, वेयरहाउसिंग, मशीन मेंटेनेंस, सुरक्षा और कैंटीन जैसी सेवाओं में हजारों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्योगों की नई सप्लाई चेन भी विकसित होने की उम्मीद है।

पहले चरण का काम भी तेजी से जारी- कंपनी को वर्ष 2025 में विक्रम उद्योगपुरी के फेज-1 में 30 एकड़ जमीन दी गई थी। यहां करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से फैक्टरी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस यूनिट में करीब 500 लोगों को रोजगार मिलेगा और अगले छह महीनों में उत्पादन शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा उज्जैन- पिछले कुछ वर्षों में शहर में सडक़, बिजली और लॉजिस्टिक सुविधाओं में सुधार के कारण उद्योगों की रुचि लगातार बढ़ी है। सरकार की औद्योगिक नीतियों और बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण विक्रम उद्योगपुरी क्षेत्र निवेश का नया केंद्र बनता जा रहा है।

विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 की खासियत

कुल क्षेत्रफल = 488 हेक्टेयर

औद्योगिक इकाइयों के लिए भूमि = 382 हेक्टेयर

विकास कार्य पर खर्च = 455 करोड़ रुपये

सडक़ों, बिजली, पानी और ड्रेनेज की आधुनिक व्यवस्था

सैकड़ों इंडस्ट्रियल प्लॉट विकसित होंगे।

उज्जैन में जमीन-प्रॉपर्टी महंगी... 17.18 प्रतिशत तक बढ़ीं गाइडलाइन दरें

4353 लोकेशन में से 3229 पर बढ़ोतरी, 22 मार्च तक आम जनता से मांगे गए सुझाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर और ग्रामीण इलाकों में जमीन-प्रॉपर्टी खरीदना अब और महंगा होने जा रहा है। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए गाइडलाइन दरों में औसतन 17.18 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव सामने आया है।

बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने की, जबकि इसमें विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा सहित समिति के सदस्य और राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिले की अलग-अलग तहसीलों से आए प्रस्तावों की समीक्षा कर दरों में संशोधन को मंजूरी दी गई। जिले की कुल 4353 लोकेशन में से 3229 स्थानों पर दरें बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया है। शहरी क्षेत्रों में 12.96 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 21.38 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है, जो जमीन की बढ़ती मांग और विकास कार्यों का संकेत मानी जा रही है।

शहरी-ग्रामीण दोनों में असर- उज्जैन तहसील में सबसे ज्यादा 1189 लोकेशन, तराना में 507, खाचरौद में 356, महिदपुर में 346, बडनगर में 321, नागदा में 310 और घट्टिया में 200 लोकेशन की दरों में बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। शहर के कई प्रमुख क्षेत्रों जैसे महाकाल मार्ग, दवा बाजार, दशहरा मैदान, तिरूपति ग्रांड, रूद्रांश एवेन्यू और महालक्ष्मी नगर में भी दरें बढ़ाई गई हैं।

गांवों में भी जमीन की कीमतों में उछाल- ग्रामीण इलाकों में कृषि भूमि की कीमतों में 50 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ गांवों में तो यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा है, जिसमें

दताना सडक़ में 150 प्रतिशत

नरवर में 74 प्रतिशत

पिपलौदा द्वारकाधीश में 67 प्रतिशत

मतानाकलां में 67 प्रतिशत

40 नई कॉलोनियां शामिल- इस बार गाइडलाइन में 40 नई कॉलोनियों को जोड़ा गया है, जिनमें उज्जैन की 29 कॉलोनियां शामिल हैं। इनमें शिवांश सिग्नेचर, तिरूपति सिलिकॉन सिटी, मनी विहार गोल्ड और द ग्रीन सिटी जैसी कॉलोनियां प्रमुख हैं।

100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी वाले इलाके- जिले में 33 ऐसे क्षेत्र हैं जहां 100 प्रतिशत या उससे ज्यादा वृद्धि की गई है। इनमें रत्नाखेड़ी, जमालपुर, मंगरोला, लिम्बापिपलिया, तिरूपति ग्रांड कॉलोनी और नागदा का जवाहर मार्ग प्रमुख हैं।

22 मार्च तक दे सकते हैं आपत्ति- प्रशासन ने साफ किया है कि यह अंतिम दरें नहीं हैं। आम जनता से 22 मार्च तक सुझाव और आपत्तियां मांगी गई हैं। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजा जाएगा।

एक नजर में पूरा आंकड़ा

कुल लोकेशन- 4353

बढ़ोतरी वाले क्षेत्र- 3229

औसत वृद्धि- 17.18 प्रतिशत

शहरी वृद्धि- 12.96 प्रतिशत

ग्रामीण वृद्धि- 21.38 प्रतिशत

100 प्रतिशत + वृद्धि वाले क्षेत्र- 33

नई कॉलोनियां जोड़ी गईं- 40

कीटनाशक गटकने वाले दो बच्चों के पिता की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कीटनाशक गटकने वाले दो बच्चों के पिता की आज तड़के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि झारड़ा के मुंडला सोंधिया के रहने वाले श्याम पिता जुवान सिंह को परिजन उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे जहां आज तड़के उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया और बॉडी पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल लाई गई।

परिजनों ने बताया कि श्याम दो बच्चों का पिता था और शराब पीने का आदी था सोमवार को उसने शराब के साथ कीटनाशक मिलकर किया था। मां करणबाई ने बेसुध हालत में पड़ा देखा था और परिजनों को सूचना देकर उसे अस्पताल लाया गया था।

युवक ने भी शराब में मिलाया जहर- पंवासा क्षेत्र के मक्सी रोड स्थित ग्राम ताजपुर में रहने वाले सूरज पिता बाबूलाल 35 वर्ष ने सोमवार शाम जहर खा लिया था जिसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया इस दौरान सामने आया कि तीन-चार दिनों से लगातार शराब पी रहा था उसने शराब के साथ ही जहर मिलाकर पिया था। मृतक मजदूरी करता था। मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।